आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 235 | उज्जैन, मंगलवार 15 जुलाई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशानुरूप जनजातीय समूहों के कलाकारों ने सवारी में मनमोहक प्रस्तुतियां देकर किया बाबा श्री महाकाल का स्वागत

हिन्दकुश.इन । श्रावण माह के प्रथम सोमवार पर भगवान श्री महाकालेश्वर मनमहेश स्वरूप में उज्जैन नगर भ्रमण पर निकले। सवारी के निकलने के पूर्व श्री महाकालेश्वर मंदिर परिसर के सभामंडप में सर्वप्रथम भगवान श्री महाकालेश्वर का षोड़षोपचार पूजन-अर्चन और आरती की गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप जनजातीय दल भगवान श्री महाकालेश्वर की प्रथम सवारी में पालकी के आगे मनमोहक प्रस्तुति देते हुए शामिल हुए। श्री महाकालेश्वर भगवान की सावन-भादो मास की प्रथम सवारी में वैदिक उदघोष के साथ श्री महाकालेश्वर भगवान का स्वागत किया गया।

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री श्री प्रहलाद पटेल, राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा और उज्जैन के प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल ने भगवान श्री महाकालेश्वर का पूजन-अर्चन किया और आरती की। इस अवसर पर विधायक श्री सतीश मालवीय, श्री महेश परमार, श्री जीतेंद्र पंड्या, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, संभागायुक्त श्री संजय गुप्ता सहित अन्य अधिकारियों ने सभामंडप में भगवान श्री मनमहेश का पूजन किया।

अवंतिकानाथ भगवान श्री मनमहेश के स्वरूप में पालकी में सवार होकर अपनी प्रजा का हाल जानने और भक्तों को दर्शन देने के लिए नगर भ्रमण पर निकले। पालकी जैसे ही श्री महाकालेश्वर मंदिर के मुख्य द्वार पर पहुंची, सशस्त्र पुलिस बल के जवानों ने पालकी में विराजित भगवान श्री मनमहेश को सलामी (गार्ड ऑफ ऑनर) दी। सवारी मार्ग के दोनों ओर हजारों की संख्या में दर्शनार्थियों ने पालकी में विराजित श्री मनमहेश भगवान के भक्तिभाव से दर्शन लाभ लिये। गार्ड ऑफ ऑनर के बाद सवारी श्री महाकालेश्वर मंदिर से गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार, कहारवाडी होते हुए रामघाट पहुंची।

आंध्र प्रदेश में भीषण सड़क हादसा, आम से लदा ट्रक पलटने से 9 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के अन्नमय्या जिले में एक दर्दनाक हादसे हुआ है। बीती रात पुल्लमपेट मंडल के रेड्डीचेरुवु कट्टा के पास एक आम से भरा ट्रक पलट गया। इसमें 9 लोगों की जान चली गई। पुलिस के मुताबिक, यह हादसा इतना भयानक था कि मौके पर ही कई लोगों ने दम तोड़ दिया। हादसे की खबर सुनते ही आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने गहरी संवेदना जताई। उन्होंने अधिकारियों से हादसे की वजह जानने की कोशिश की।

अधिकारियों ने बताया कि मरने वाले लोग राजमपेट से रेलवे कोडुरु जा रहे थे, जब यह हादसा रात के वक्त हुआ।

सरकार मृतकों के परिवारों की हर मुमकिन मदद करेगी- सीएम नायडू

मुख्यमंत्री नायडू ने अधिकारियों से बात कर घायलों के इलाज की पूरी जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया और उन्हें बेहतर इलाज मुहैया कराया जा रहा है। सीएम ने यह भी यकीन दिलाया कि सरकार मृतकों के परिवारों की हर मुमकिन मदद करेगी।

उन्होंने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि घायलों को किसी भी सूरत में इलाज में कमी न होने दी जाए।

केरल में फिर पैर पसार रहा है निपाह वायरस, एक और शख्स की मौत ने बढ़ाया डर; एक्शन में आई सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल में निपाह वायरस एक बार फिर से पैर पसार रहा है। 12 जून को केरल के पलक्कड़ में एक शख्स की मौत हुई थी। आशंका है कि इस मौत के पीछे की वजह निपाह वायरस ही था। केरल सरकार ने निपाह वायरल को लेकर निगरानी तेज कर दी है।

मृतक शख्स पिछले कुछ समय से बीमार था और पलक्कड़ के एक निजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था। वहीं, जब उसका सैंपल मैच किया गया तो वो निपाह वायरस से ग्रसित निकला।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी जानकारी- केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज के अनुसार, जब मृतक शख्स के सैंपल को टेस्टिंग के लिए मंजीरी मेडिकल कॉलेज भेजा गया, तो वो निपाह पॉजिटिव निकला। एब केरल सरकार पुणे में स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वीरोलॉजी से कंफर्मेशन का इंतजार कर रही है।

निपाह से मौत का पहला मामला- बता दें कि केरल में निपाह वायरस से यह दूसरी मौत का मामला सामने आया है। इससे पहले मलप्पुरम का एक शख्स भी निपाह की चपेट में आ गया था। पलक्कड़ के अस्पताल में इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया था।

देश के कई राज्यों में IT विभाग की छापामारी, पॉलिटिकल डोनेशन और मेडिकल क्लेम के नाम पर हो रहे घोटाले के खिलाफ एक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश भर में इनकम टैक्स विभाग ने फर्जीवाड़े के खिलाफ जोरदार कार्रवाई शुरू कर दी है। 200 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है, जहां पॉलिटिकल डोनेशन, ट्यूशन फीस और मेडिकल खर्चों के नाम पर बड़ा घपला सामने आया है।

सूत्रों के मुताबिक, यह कार्रवाई उन लोगों के खिलाफ है जो फर्जी बिल बनाकर टैक्स में छूट का गलत फायदा उठा रहे थे।

विभाग को शिकायतें मिली थीं कि कई लोग नकली बिलों के जरिए टैक्स बचाने की कोशिश कर रहे हैं। इनमें पॉलिटिकल डोनेशन के साथ-साथ मेडिकल खर्च और ट्यूशन फीस के नाम पर भी फर्जीवाड़ा शामिल है। यह खेल खास तौर पर बड़े शहरों में चल रहा था, जहां लोग रसूख का इस्तेमाल कर टैक्स चोरी कर रहे थे।

पॉलिटिकल डोनेशन के नाम पर फर्जीवाड़ा- इनकम टैक्स एक्ट की धारा 80GGC के तहत पॉलिटिकल पार्टियों या इलेक्टोरल ट्रस्ट को दिए गए दान पर टैक्स में छूट मिलती है। लेकिन सूत्रों ने बताया कि कई बिचौलियों ने इस छूट का गलत फायदा उठाया। ये लोग 5 से 10 फीसदी कमीशन लेकर फर्जी बिल बनाते थे, जिनके जरिए टैक्सपेयर्स टैक्स में कटौती का दावा करते थे।

यह धांधली सिर्फ पॉलिटिकल डोनेशन तक सीमित नहीं थी। कई लोग ट्यूशन फीस और मेडिकल खर्चों के नाम पर भी नकली बिल बनाकर टैक्स चोरी कर रहे थे। विभाग ने इस फर्जीवाड़े का पर्दाफाश करने के लिए देशभर में ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू की है।

एकतरफा मोहब्बत नहीं चलेगी, बिहार चुनाव में असदुद्दीन ओवैसी का INDIA गठबंधन को दो टूक जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सोमवार को साफ किया कि उनकी पार्टी आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में 'INDIA गठबंधन का हिस्सा नहीं बनेगी। उन्होंने कहा, एकतरफा मोहब्बत अब नहीं चलेगी। ओवैसी ने दावा किया कि उनकी पार्टी ने आरजेडी नेतृत्व वाले महागठबंधन में शामिल होने के लिए प्रस्ताव भेजा था, लेकिन वहां से उन्हें ठंडा रुख मिला। इसके बाद एआईएमआईएम अब तीसरे मोर्चे के गठन की संभावना तलाश रही है।

ओवैसी ने एएनआई से बातचीत में कहा,बिहार के लोगों को समझना चाहिए कि हमारे खिलाफ जो आरोप लगाए गए वो झूठे थे। वे नहीं चाहते कि गरीब और दबे-कुचले वर्ग का कोई नेता उभरे। उन्हें बस गुलाम चाहिए, जो सिर झुकाकर उनके पीछे चले। उन्होंने कहा कि एआईएमआईएम आगामी चुनावों में अपने बलबूते चुनाव लड़ेगी और पार्टी के बिहार अध्यक्ष अख्तरुल ईमान द्वारा सुझाए गए तीसरे मोर्चे के विचार को समर्थन देती है। एआईएमआईएम का बिहार के सीमांचल इलाके में अच्छा जनाधार है और पार्टी ने साफ किया कि वो उसी क्षेत्र पर फोकस करते हुए चुनाव लड़ेगी। ओवैसी ने चुनाव आयोग की आलोचना भी की। उन्होंने पूछा, आयोग को ये अधिकार किसने दिया कि वह किसी की नागरिकता तय करे? ये संवैधानिक संस्था है, लेकिन आधिकारिक बयान देने की जगह सूत्रों के हवाले से खबरें सामने आ रही हैं।

गोल्डन टेम्पल को RDX से उड़ाने की धमकी, ईमेल मिलते ही मचा हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्री हरि मंदिर साहिब को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी दी गई। यह धमकी किसी अज्ञात व्यक्ति की तरफ से ईमेल के जरिए दी गई है। इसकी जानकारी मिलती ही एसजीपीसी ने अपने स्तर पर श्री हरि मंदिर साहिब, उनकी परिक्रमा, लंगर भवन और सभी सराये की सुरक्षा पुख्ता कर दी है। टास्क फोर्स लगातार चेकिंग कर रही है। उधर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के मुख्य सचिव कुलवंत सिंह मनण ने इसे लेकर पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि संबंधित थाना कोतवाली और सीपी को भी इसकी जानकारी दी जा चुकी है।

बिगड़ते रिश्तों के बीच यूनुस की मैंगो डिप्लोमेसी, पीएम मोदी समेत इन खास लोगों को भिजवाए आम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत से बिगड़ते रिश्तों के बीच बांग्लादेश अंतरिम सरकार के प्रमुख यूनुस ने मैंगो डिप्लोमैसी को जारी रखा है। ढाका की तरफ से सद्भावना के तौर पर बांग्लादेश की प्रसिद्ध हरिभंगा किस्म के 1000 किलो आमों को भारत भेजा गया है। इन आमों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भारत के राजनयिकों समेत तमाम दूसरे अधिकारियों को दिया जाएगा। बांग्लादेश की तरफ से पीएम मोदी के अलावा भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भी यह आम भेजे गए हैं। हरिभंगा किस्म के आम को बांग्लादेश और भारत में काफी पसंद किया जाता है। इनकी गुणवत्ता काफी बेहतर होती है।

भारत और बांग्लादेश की सरकार के बीच यह मैंगो डिप्लोमैसी नई नहीं है। इससे पहले भी बांग्लादेश की सरकारें भारत समेत अन्य देशों को हरिभंगा किस्म के आम भेजती रही हैं। लेकिन यह तब की बात है, जब भारत और बांग्लादेश के संबंध काफी बेहतर थे, दोनों को एक-दूसरे का हितैषी माना जाता था। पिछले साल शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद दोनों देशों के संबंधों दरार साफ तौर पर दिखाई देने लगी थी। ऐसे में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार यूनुस द्वारा फिर से शुरू की गई इस मैंगो डिप्लोमैसी के कई मायने निकाले जा रहे हैं। हालांकि बांग्लादेशी अधिकारियों के मुताबिक यह आम सद्भावना के तौर पर भेजे गए हैं।

गौरतलब है कि पिछले साल अगस्त में कथित छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना को बांग्लादेश के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। वहां से निकलकर वह सीधे भारत में आ गई। यूनुस प्रशासन तब से लेकर अब तक लगातार भारत पर हसीना के प्रत्यर्पण का दबाव बना रहा है। हालांकि भारत की तरफ से इसका कोई जवाब नहीं दिया गया है। इसके बाद से भारत और बांग्लादेश के संबंध लगातार बिगड़ते ही गए हैं। हालांकि बिम्सटेक समिट में पीएम मोदी और यूनुस की मुलाकात हुई थी लेकिन उससे संबंधों में ज्यादा कुछ बदलाव देखने को नहीं मिला।बांग्लादेश से बिगड़ते संबंधों में सबसे बड़ा हाथ वहां के अल्पसंख्यकों पर होते अत्याचारों से भी है। भारत सरकार लगातार यूनुस प्रशासन से हिंदूओं और बाकी अल्पसंख्यकों पर होने वाले अत्याचारों पर ध्यान देने के लिए कहती रही है। लेकिन यूनुस प्रशासन इसे राजनीति से प्रेरित एक झूठा प्रचार कहता रहा है। दोनों देशों के संबंध तब और ज्यादा खराब हो गए थे, जब यूनुस ने चीन में जाकर खुद को बंगाल की खाड़ी का रक्षक बता दिया था और भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के लिए एक मात्र जलमार्ग बता चीन को निवेश के लिए आमंत्रित किया था।

अब मधुमक्खियों की फौज बनाएगा ड्रैगन! दुनिया की सबसे हल्की ब्रेन कंट्रोलर मशीन, जो करेगी हनी बी को नियंत्रित

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन हर साल अपने डिफेंस बजट पर करोड़ों रुपए खर्च करता है। वहीं, अब चीनी सेना में मधुमक्खियों की भी एंट्री हो सकती है। जी हां, चीन के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा उपकरण तैयार किया है, जिससे मधुमक्खियों को अपने इशारों पर उड़ाया जा सकता है। ऐसे में मधुमक्खियों का झुंड युद्ध में चीन के लिए बड़ा हथियार साबित हो सकता है।

चीनी वैज्ञानिकों ने इसके लिए दुनिया का सबसे हल्का ब्रेन कंट्रोलर बनाया है, जिससे मधुमक्खियों को रोबोट की तरह उड़ाया जा सकता है। यह मधुमक्खियों को नियंत्रण करने में काफी हद तक कामयाब साबित हुआ है।

दुनिया की सबसे हल्की माइंड कंट्रोलर मशीन- साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, ब्रेन कंट्रोलन बनाने वाले बीजिंग इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के शोधकर्ताओं ने दुनिया का सबसे हल्का ब्रेन कंट्रोलर बनाकर दिखाया है, जिसका वजन महज 74 मिलीग्राम है। यह ब्रेन कंट्रोलर लगाने के बाद 10 में से 9 मधुमक्खियों ने वैज्ञानिकों की बात मानी और उनकी कही दिशा में उड़ान शुरू कर दिया।

कैसे काम करता है ब्रेन कंट्रोलर- इस ब्रेन कंट्रोलर को मधुमक्खियों की पीठ पर लगाया जाता है और 3 सुईयों की मदद से उनके दिमाग में मामूली छेद किए जाते हैं। इससे मधुमक्खियों में भ्रम पैदा होता है और वो उड़ने की कमांड फॉलो करने लगती हैं। मधुमक्खियां आदेशानुसार दाएं, बाएं, आगे और पीछे की तरफ उड़ती हैं। 10 में से 9 मधुमक्खियों ने इस कमांड को बखूबी फॉलो किया है।

सिंगापुर के साइबॉर्ग कंट्रोलर से ली प्रेरणा- चीनी वैज्ञानिकों को यह माइंड कंट्रोलन मशीन बनाने की प्रेरणा सिंगापुर के साइबॉर्ग कंट्रोलर से मिली है, जो कॉक्रोचों और कीड़े-मकौड़ों को कमांड देता है। हालांकि इसका वजन चीनी माइंड कंट्रोलर से तीन गुना अधिक है।

मीठी बातें करते हैं, फिर बम बरसा देते, ट्रंप ने पुतिन से जताई नाराजगी, अब यूक्रेन को Patriots देने का एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को ऐलान किया कि वह यूक्रेन को पैट्रियट हवाई रक्षा प्रणाली भेजेंगे और रूस पर नए प्रतिबंधों की ओर इशारा किया।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की यूक्रेन में जंग को लेकर ट्रंप ने एक बार फिर नाराजगी जाहिर की। कहा है कि वह मीठा बोलते हैं लेकिन फिर बम बरसा देते हैं।

यूक्रेन और रूस की जंग को तीन साल से ज्यादा हो चुके हैं। ट्रंप ने कहा, हम यूक्रेन को पैट्रियट सिस्टम भेजेंगे, जो उनकी सख्त जरूरत है। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि कितने हथियार भेजे जाएंगे।

ट्रंप ने न्यू जर्सी में फीफा क्लब वर्ल्ड कप फाइनल देखने के बाद जॉइंट बेस एंड्रयूज में पत्रकारों से कहा, मैंने अभी हथियारों की संख्या तय नहीं की, लेकिन यूक्रेन को सुरक्षा के लिए कुछ जरूर मिलेगा।

इसके साथ ही, व्हाइट हाउस ने पहले किए गए उस ऐलान को पलट दिया, जिसमें यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई रोकने की बात थी। अब नया प्लान है कि नाटो अमेरिका को हथियारों के लिए पूरी रकम चुकाएगा।

ट्रंप ने इसे कारोबार का मौका बताते हुए कहा, हम यूक्रेन को कई तरह के आधुनिक हथियार भेजेंगे और इसके लिए हमें 100 फीसदी पैसा मिलेगा।

दूसरी ओर, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि वह पैट्रियट सिस्टम और मिसाइलों के लिए मल्टी-लेवल समझौते के करीब हैं।

लंदन में टेकऑफ के बाद क्रैश हुआ प्लेन, विमान में लगी भीषण आग

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन की राजधानी लंदन से 45 मील दूर लंदन साउथएंड हवाई अड्डे पर एक विमान दुर्घटना का शिकार हो गया। रविवार शाम करीब 4 बजे (स्थानीय समयानुसार) लंदन के साउथएंड एयरपोर्ट पर एक बिजनेस जेट टेकऑफ के कुछ समय बाद ही क्रैश हो गया।

सोशल मीडिया पर इस घटना की कुछ तस्वीरें और वीडियो वायरल हुई है। दुर्घटनास्थल से आग और काले धुएं का गुबार उठता दिखाई दे रहा है। बताया जा रहा है कि विमान 12 मीटर (39 फीट) लंबा था।

नीदरलैंड्स के लेलिस्टैड जा रहा था विमान- दुर्घटनाग्रस्त विमान Beech B200 सुपर किंग एयर था। विमान नीदरलैंड्स के लेलिस्टैड के लिए रवाना हुआ था। अभी तक इस बात की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है कि विमान में कितने लोग सवार थे।

प्रत्यक्षदर्शियों ने क्या कहा- प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान के पायलटों ने टक्कर से कुछ देर पहले बच्चों की ओर हाथ हिलाया था। जॉन जॉनसन, जो अपने बच्चों और पत्नी के साथ हवाई अड्डे पर थे, उन्होंने कहा कि विमान के सिर के बल जमीन पर गिरने के बाद उन्होंने एक बड़ा आग का गोला देखा।

अमेरिका में फिर चली ताबड़तोड़ गोलियां, केंटकी के चर्च में गोलीबारी के बाद दो महिलाओं की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में केंटकी राज्य के एक चर्च में रविवार को गोलीबारी की घटना घटी। एक बंदूकधारी ने अंधाधूंध गोलियां चलाईं। गोलीबारी में दो महिलाओं की मौत हो गई।

हालांकि, बाद में पुलिस ने हमलावर को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। अधिकारियों ने कहा कि लक्सिंगटन के रिचमंड रोड बैपटिस्ट चर्च में दो महिलाओं की मौत हो गई। दो पुरुष भी घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर है।

गोलीबारी में एक सैनिक भी घायल- पुलिस ने जानकारी दी कि संदिग्ध ने हवाई अड्डे के पास एक राज्य सैनिक को गोली मारकर घायल कर दिया, जिसके बाद उसने एक वाहन छीन लिया और चर्च की ओर भाग गया।

पुलिस ने संदिग्ध का पीछा किया और चर्च में उसे गोली मारकर हत्या कर दी। लक्सिंगटन पुलिस विभाग ने कहा कि वे इस घटना की जांच की जा रही है। ऐसा लगता है कि संदिग्ध चर्च में कुछ लोगों को जानता था।

पत्नी मेलानिया के साथ फुटबॉल मैच देखने पहुंचे ट्रंप, स्टेडियम में किया कुछ ऐसा कि वायरल हो गया वीडियो

नई दिल्ली (एजेंसी)। 13 जुलाई 2024...अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव की रैली चल रही थी और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर चुनावी मैदान में थे। ट्रंप पेन्सिलवेनिया में एक रैली को संबोधित करते हुए ट्रंप पर जानलेवा हमला हुआ। ट्रंप के सामने आई एक गोली उनके कान को छूकर निकल गई और ट्रंप मंच पर ही लहूलुहान हो गए।

इस घटना को 1 साल बीत चुके हैं। राष्ट्रपति पद की रेस जीतने के बाद अब ट्रंप दुनिया के सबसे ताकतवर शख्स बन चुके हैं। हालांकि, एक साल पहले खुद पर हुए इस हमले को ट्रंप भूले नहीं हैं।

फीफा वर्ल्ड कप देखने पहुंचे ट्रंप- बीते दिन गोली कांड के एक साल पूरे होने पर ट्रंप अपनी पत्नी और फर्स्ट लेडी मेलानिया के साथ फीफा वर्ल्ड कप देखने पहुंच गए। इस दौरान ट्रंप के प्रशासन के कई लोग भी उनके साथ मौजूद थे। फीफा प्रेसिडेंट जियानी इन्फेंटिनो भी ट्रंप के साथ नजर आए।

दर्शकों में दौड़ी खुशी की लहर- न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में आयोजित फीफा वर्ल्ड कप के फाइनल में ट्रंप को देखकर दर्शकों की खुशी का भी ठिकाना नहीं था। इसी कड़ी में स्टेडियम का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें ट्रंप को देखते ही दर्शन जोर-जोर से हूटिंग करने लगे।

चेल्सी को दी ट्राफी- बता दें कि फीफा वर्ल्ड कप में ट्रंप के साथ उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप, अटॉर्नी जरनल पाम बोंडी, क्रिस्टी नोएम, टॉम ब्रैडी समेत कई अन्य लोग भी उपस्थित रहे। वहीं, चेल्सी की जीत के बाद ट्रंप ने मैदान में उतरकर उन्हें ट्राफी दी और खिलाड़ियों के साथ जीत का जश्न मनाते भी नजर आए।

चीन में मां ने बच्चा बेचकर लाइव स्ट्रीमिंग पर उड़ाए पैसे, कंगाल होने पर फिर हुई प्रेग्नेंट और ममता को किया तार-तार

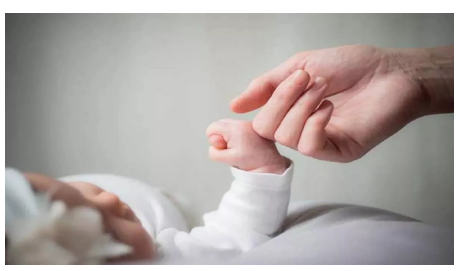

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन में इन दिनों एक बेरहम मां की कहानी तेजी से वायरल हो रही है, जिसने अपनी अय्याशी के लिए पहले बच्चे को बेचा और पैसे कम पड़ने पर दूसरे बच्चे को जन्म देकर बेच दिया। यह मामला सामने आने के बाद मां की ममता पर भी उंगलियां उठने लगी हैं।

आरोपी महिला का नाम ह्वांग है, जिसकी उम्र 26 वर्ष है। दक्षिणी चीन के गुआंग्शी प्रांत में रहने वाली ह्वांग को उनके माता-पिता ने गोद लिया था। ह्वांग ज्यादा पढ़ी-लिखी नहीं है।

2020 में पहले बच्चे को दिया जन्म- प्राथमिक शिक्षा पास करने के बाद ह्वांग ने बेहद कम उम्र में ही घर छोड़ दिया था। वो फुजियान प्रांत के फूजौ में रहने लगी। अक्तूबर 2020 में ह्वांग ने अपने पहले बच्चे को जन्म दिया। हालांकि, आर्थिक तंगी के कारण ह्वांग बच्चे का पालन-पोषण करने में विफल रही। ऐसे में उसने अपने बच्चे को बेचने का फैसला किया।

बच्चे को बेचा- ह्वांग की मंशा के बारे में उसकी मकान मालकिन वी को पता चला। वी ने अपने रिश्तेदार ली से संपर्क किया। ली के बेटे के बच्चे नहीं हो रहे थे, ऐसे में वो बच्चा खरीदने के लिए तैयार हो गई। ह्वांग ने 45,000 युआन (5 लाख 17 हजार रुपये) में अपना बच्चा ली क बेच दिया।

2022 में दूसरे बच्चे को दिया जन्म- चीनी मीडिया के अनुसार, ह्वांग ने इन पैसों को लाइव स्ट्रीमिंग में खर्च कर दिया। कुछ दिन बाद जब ह्वांग के पास पैसे खत्म हो गई, तो उसने फिर से एक खतरनाक फैसला किया। उसने दूसरे बच्चे को जन्म देकर बेचने की सोची और पुरुषों की तलाश में जुट गई।

रूस के खिलाफ आंख भी उठाई तो..., उत्तर कोरिया के तानाशाह ने अमेरिका, जापान को दी चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने कहा है कि उनका देश यूक्रेन मसले पर रूस को बिना शर्त समर्थन दे रहा है और हर कदम पर उसके साथ है। किम ने यह बात उत्तर कोरिया दौरे पर आए रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से कही है। यूक्रेन युद्ध के लिए उत्तर कोरिया रूस की ओर से लड़ने के लिए सैनिक भेज रहा है और सैन्य सामग्री की आपूर्ति कर रहा है।

उत्तर कोरिया के अभी तक 10 हजार सैनिक यूक्रेन भेजने की जानकारी है। इसके अतिरिक्त उत्तर कोरिया ने बड़ी मात्रा में गोला-बारूद भी रूस को दिया है।

रूस को तोप-टैंक के गोलों की आपूर्ति कर रहा उत्तर कोरिया- दक्षिणी कोरिया की खुफिया एजेंसी के अनुसार उत्तर कोरिया अभी तक रूस को एक करोड़ 20 लाख तोप-टैंक के गोलों की आपूर्ति कर चुका है। लावरोव का तीन दिवसीय ताजा दौरा कोरियाई आपूर्ति पर वार्ता के लिए माना जा रहा है। किम और लावरोव की मुलाकात तटवर्ती शहर वोनसान में हुई है।

उत्तर कोरियाई नेता ने कहा कि वह रूस के साथ मिलकर विश्व शांति के लिए कार्य करने को तैयार हैं। वार्ता में किम जोंग ने आश्वस्त किया कि यूक्रेन युद्ध के कारणों को खत्म करने के रूसी नेतृत्व के निर्णय में उत्तर कोरिया पूरी तरह से साथ है। यहीं पर दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की वार्ता में सहयोग बढ़ाने का निर्णय लिया गया। रूस और उत्तर कोरिया ने 2024 में रक्षा समझौता किया था।

सेंसरशिप की जरूरत नहीं, लेकिन..., हेट स्पीच को लेकर SC की अहम टिप्पणी; केंद्र-राज्यों को दिए ये निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक मामले की सुनवाई करते हुए एक अहम टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट ने इन दिनों सोशल मीडिया पर फैल रहे हेट स्पीच को लेकर चिंता जाहिर की है। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि इन दिनों अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर सब कुछ जायज करने की कोशिश की जा रही है। कोर्ट ने चिंता जाहिर करते हुए इसको बेहद खतरनाक करार दिया। बता दें न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज फ्रांसिस विस्वनाथन की बेंच ने ये टिप्पणी की। वे सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ वजाहत नाम के शख्स द्वारा दायर की गई याचिका पर सुनावई कर रहे थे।

किसी की बोलने की आजादी को न कुचला जाए- याचिका पर सुनवाई करते हुए बेंच ने महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि नफरती भाषणों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। हालांकि, इस बात का भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि किसी की बोलने की आजादी को न कुचला जाए।

रंगभेद के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाली मॉडल सैन रेचल ने की खुदकुशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मशहूर मॉडल और सोशल मीडिया स्टार सैन रेचल ने रविवार को खुदकुशी कर ली। 26 साल की सैन मनोरंजन जगत में रंगभेद के खिलाफ अपनी बुलंद आवाज के लिए जानी जाती थीं। उनकी हाल ही शादी हुई थी।

पुडुचेरी के जिपमर (जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च) में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इससे पहले उन्हें दो अन्य अस्पतालों में ले जाया गया था। उनकी मौत ने पूरे देश में हलचल मचा दी है। वह पुडुचेरी की रहने वाली थीं। पुलिस के मुताबिक, सैन ने अपने पिता के घर पर भारी मात्रा में गोलियां निगल ली थीं। उन्हें तुरंत सरकारी अस्पताल ले जाया गया, फिर एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया, लेकिन हालत बिगड़ने पर जिपमर में शिफ्ट किया गया, जहां उन्होंने आखिरी सांस ली।

क्यों कर ली आत्महत्या- पुलिस जांच में पता चला है कि सैन भारी आर्थिक तनाव और निजी दबाव से जूझ रही थीं। उन्होंने अपने पेशेवर कामों के लिए हाल के महीनों में अपने गहने बेचे और गिरवी रखे थे।

केरल की नर्स निमिषा प्रिया को यमन में मिली फांसी की सजा

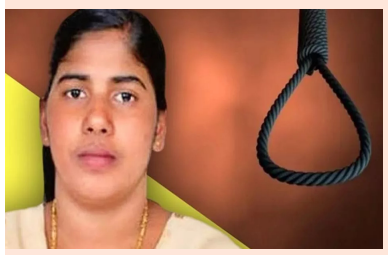

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल की नर्स निमिषा प्रिया को यमन की अदालत ने फांसी की सजा सुनाई है। आज से ठीक 2 दिन बाद निमिषा की फांसी की तारीख निर्धारित की गई है। केंद्र सरकार ने निमिषा की फांसी रोकने का हर मुमकिन प्रयास किया, लेकिन सरकार को इसमें नाकामयाबी ही हाथ लगी।

निमिषा की फांसी पर अब केंद्र सरकार ने भी हाथ खड़े कर दिए हैं। केंद्र सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन हम जो कर सकते थे हमने किया।

कैसे बच सकती है निमिषा की जान- केंद्र सरकार के अनुसार, हर कोशिश की एक सीमा होती है। अब इससे ज्यादा हम क्या कर सकते हैं। निमिषा को बचाने का सिर्फ एक ही रास्ता है कि अगर मृतक शख्स का परिवार मुआवजा स्वीकार कर ले तो निमिषा की फांसी रुक सकती है।

8.5 करोड़ के मुआवजे का दिया गया था ऑफर- केंद्र सरकार की तरफ से अटॉर्नी जनरल आर.वेंकटरमणी ने सुप्रीम कोर्ट में सरकार का पक्ष रखा। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ में सुनवाई के दौरान उन्होंने बताया कि मृतक के परिवार को 1 मिलियन डॉलर (लगभग 8.5 करोड़) रुपये के मुआवजे का ऑफर दिया गया था।

हरियाणा, गोवा के नए राज्यपाल नियुक्त, कविंदर गुप्ता को बनाया गया लद्दाख का उपराज्यपाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति भवन ने देश के तीन प्रमुख राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए नए राज्यपाल और उपराज्यपाल की नियुक्ति की घोषणा की है।पुसापति अशोक गजपति राजू को गोवा का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। वहीं, प्रोफेसर आसिम कुमार घोष को हरियाणा का राज्यपाल बनाया गया है। इसके अलावा, कविंदर गुप्ता को लद्दाख का नया उपराज्यपाल नियुक्त किया गया है। ये नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी।

कौन हैं ये नए राज्यपाल और उपराज्यपाल- पुसापति अशोक गजपति राजू पूर्व केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री रहे है। वे आंध्र प्रदेश विधानसभा के सदस्य के रूप में 1978 से 2004 और 2009 से 2014 तक सात बार चुने गए।

उन्होंने वाणिज्यिक कर, उत्पाद शुल्क, विधायी मामले, वित्त, योजना और राजस्व जैसे विभागों में 13 वर्षों तक मंत्री के रूप में कार्य किया।

वे विजयनगरम के अंतिम महाराजा पुसापति विजयराम गजपति राजू के छोटे पुत्र हैं और उनकी परिवार की परोपकारी गतिविधियों, विशेष रूप से सिम्हाचलम मंदिर और विजयनगरम में शैक्षिक संस्थानों के लिए प्रसिद्ध है। वे सार्वजनिक स्वास्थ्य, जल संरक्षण, और बिजली संरक्षण में रुचि रखते हैं।

उन्होंने आंध्र प्रदेश में आवास, पेयजल, और स्वास्थ्य योजनाओं को बढ़ावा दिया है। अब उन्हें गोवा का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

प्रो. आसिम कुमार घोष हावड़ा पश्चिम बंगाल से हैं। वे पश्चिम बंगाल भाजपा के चीफ रह चुके हैं और भाजपा की टिकट पर चुनाव भी लड़ चुके हैं।

कविंदर गुप्ता जम्मू कश्मीर के पूर्व डिप्टी सीएम हैं। वे जम्मू कश्मीर भाजपा के पूर्व अध्यक्ष भी रहे हैं। अब उन्हें केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख का उप-राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

कोडवर्ड में चल रहा गांजा का गोरख धंधा, 4 साल के बेटे संग खरीदने पहुंचे दंपती और फिर...

नई दिल्ली (एजेंसी)। हैदराबाद से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां पर गाचीबोवली में एक बड़े गांजे की खरीद-फरोख्त के नेटवर्क का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस ने एक ऑपरेशन चलाकर इस नेटवर्क को पकड़ा है।

पुलिस तो उस वक्त दंग रह गई, जब गांजा खरीदने के लिए एक पति-पत्नी अपने चार साल बच्चे के साथ वहां पहुंचे। इस दौरान पुलिस ने महिला को और बच्चे को तो छोड़ दिया, लेकिन पति को हिरासत में ले लिया, क्योंकि जांच के दौरान वह गांजा सेवन के लिए पॉजिटिव पाया गया।

कोडवर्ड के जरिए होती थी गांजा की सप्लाई- नेटवर्क के भांडाफोड़ के बाद पुलिस ने पाया कि एक खास तरीके से गांजा के बारे में जानकारी दी जाती थी। बताया जा रहा कि ड्रग तस्कर अपने क्लाइंट के को गांजा के ताजा स्टॉक की जानकारी व्हाट्सएप के जरिए देते थे। इस मैसेज को कोडवर्ड के साथ भेजा जाता था, जिसमें लिखा जाता था बच्चा आ गया भाई।

अधिकारियों ने चलाया ऑपरेशन- जानकारी दे कि हैदराबाद में ड्रग्स के खिलाफ एक खास अभियान की शुरुआत की गई है। हाल में ही एलीट एक्शन ग्रुप फॉर ड्रग लॉ एनफोर्समेंट को लॉन्च किया गया था। शनिवार को इस ग्रुप के अधिकारियों ने एक ऑपरेशन चलाया और 14 लोगों को गांजा खरीदते हुए पकड़ लिया। इसके बाद प्रारंभिक कार्रवाई के बाद उन्हें नशा मुक्ति केंद्र में भेज दिया गया।

बताया जा रहा है कि श्वेतस्थ यूनिट को एक खुफिया जानकारी मिली थी। इसके बाद एक ऑपरेशन को अंजाम दिया गया है। जानकारी के अनुसार, शनिवार को टीम के अधिकारियों ने सिविल कपड़े पहने और एक बैंक के पास खड़े हो गए। प्राप्त जानकारी के मुताबित यहां पर अक्सर गांजा बेचा जाता था। ठीक इसी समय टीम 14 लोगों को गांजा खरीदते हुए पकड़ा।

नितिन गडकरी ने दूसरे सबसे लंबे केबल ब्रिज का किया उद्घाटन, सीएम सिद्दरमैया बोले- मुझे नहीं मिला निमंत्रण

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने आज कर्नाटक में सिंगडूर ब्रिज का उद्घाटन किया है। यह देश का दूसरा सबसे लंबा केबल आधारित ब्रिज है। सिंगडूर ब्रिज के इस उद्घाटन समारोह में कई वरिष्ठ बीजेपी नेताओं ने हिस्सा लिया। मगर, आश्चर्य की बात यह थी कि कर्नाटक कैबिनेट का कोई भी मंत्री इस कार्यक्रम में नहीं पहुंचा।

सागर तालुक में शरवती बैकवाटर पर बना सिंगडूर ब्रिज अंबारागोडलु और कलासावल्ली को आपस में जोड़ता है। यह पुल 472 करोड़ की लागत से बनकर तैयार हुआ है।

क्यों खास है सिंगडूर ब्रिज- दरअसल सिंगडूर चौदेश्वरी मंदिर के लिए मशहूर है। ऐसे में सिंगडूर ब्रिज बनने के बाद आसपास के गांवों से सागर जाना आसान हो गया है। अब श्रद्धालु आसानी से इस मंदिर के दर्शन कर सकेंगे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने आज इसका उद्घाटन किया। इस उद्घाटन समारोह में केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और वरिष्ठ बीजेपी नेता बी एस येदियुरप्पा समेत कई लोग मौजूद रहे।

कर्नाटक सीएम ने बोला हमला- सिंगडूर ब्रिज के उद्घाटन में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया समेत मंत्रिमंडल का कोई भी सदस्य मौजूद नहीं था। हाल ही में कर्नाटक के सीएम सिद्दरमैया ने नितिन गडकरी से उद्घान समारोह की तारीख आगे बढ़ाने का अनुरोध किया था। वहीं, अब सिद्दरमैया ने दावा किया है कि इस उद्घाटन समारोह में उन्हें आमंत्रित नहीं किया गया था।

सिद्दरमैया ने बताई न पहुंचने की वजह- कर्नाटक सीएम ने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा, हममें से कोई भी इस कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लेगा। हमें निमंत्रण नहीं मिला है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

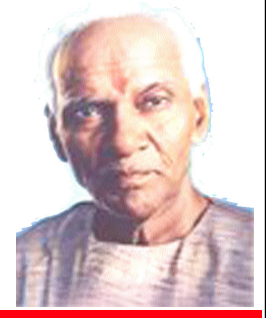

विक्रम संवत 2079 कृष्ण पंचमी

संपादकीय

सृष्टि रचयिता ने मानव को प्राकृतिक रूप से बौद्धिक क्षमता का अभूतपूर्व खजाना दिया है...

सृष्टि रचयिता ने मानव को प्राकृतिक रूप से बौद्धिक क्षमता का अभूतपूर्व खजाना दिया है।बस! ज़रूरत है उसे पहचान कर निखारने की,जिसके बलपर सफ़लताओं की हदें पार की जा सकती है! मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि खास करके हर मानव में अपने अपने स्तरपर अलग-अलग कौशलता समाई हुई है, बस इसे पहचान कर उसका विकास करना है, जिसे हम कौशलता विकास दिवस के नाम से मनातें हैं।आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि हम 15 जुलाई 2025 को विश्व युवा कौशलता दिवस मना रहे हैं, इसे 2014 से संयुक्त राष्ट्र ने 15 जुलाई को प्रतिवर्ष विश्व युवा कौशल दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था, जिसे प्रथम बार 15 जुलाई 2015 को मनाया गया था और हर साल नई थीम के साथ मनाया जाता है। वर्ष 2025 की थीम एआई और डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा सशक्तिकरण रखा गया है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से कौशलता विकास पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम विश्व युवा कौशल दिवस 2025 की करें तो, सामाजिक-आर्थिक सुधार की दिशा में ठोस प्रयास है जो जलवायु परिवर्तन, संघर्ष, निरंतर गरीबी, बढ़ती असमानता, तेजी से तकनीकी परिवर्तन, जनसांख्यिकीय संक्रमण और अन्य जैसी चुनौतियों से जुड़े हुए हैं।युवा महिलाओं औरलड़कियों, विकलांग युवाओं, गरीब परिवारों के युवाओं, ग्रामीण समुदायों, स्वदेशी लोगों और अल्पसंख्यक समूहों के साथ-साथ हिंसक संघर्ष और राजनीतिक अस्थिरता के परिणाम भुगतने वाले लोगों को कई कारकों के संयोजन के कारण बाहर रखा जाता है, इसके अलावा, संकट ने काम की दुनियाँ में पहले से ही कई बदलावों को तेज कर दिया है, जो उन कौशल और दक्षताओं के बारे में अनिश्चितता की परतें जोड़ते हैं जिससे हम कौशलता से ऐसा दक्ष हो जाते है कि हम नौकरी पाने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बन जाते है। संयुक्त राष्ट्र और इसकी एजेंसियां,जैसे कि यूनेस्को- यूएनईवीओसी, काम की दुनियाँ में पहुंची बाधाओं को कम करके इन चुनौतियों का समाधान करने में मदद करने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं, यह सुनिश्चित करते हुए प्राप्त कौशल को मान्यता प्राप्त और प्रमाणित किया जाता है, और बाहर के लिए कौशल विकास के अवसर प्रदान करता है। स्कूली युवा और जो रोजगार, शिक्षा या प्रशिक्षण (एनईईटी) में नहीं हैं 2030 एजेंडा के लिए कार्रवाई के इस दशक के दौरान, सकारात्मक परिवर्तन और नवाचार उत्पन्न करने के लिए वैश्विक प्रक्रियाओं में युवाओं की पूर्ण भागीदारी महत्वपूर्ण है।हमारे माननीय पीएम के ड्रीम प्रोजेक्टस में से एक है।

भारत ने इसके लिए एक अलग से मंत्रालय का गठन किया है जो उचित प्रशिक्षण प्रदान करने, अच्छे काम रोजगार और उद्यमिता के लिए कौशलता प्रदान करने के महत्व पर जोर देता है और अनेक कार्यक्रमों का आयोजन कर कौशलता विकास के महत्व पर जन जागरण बहुत ही जोर शोर से करता है साथियों बात अगर हम विश्व कौशलता दिवस 15 जुलाई 2025 के बारे में जानने की करें तो, थीम-2025 के लिए, विश्व युवा कौशल दिवस की थीम एआई और डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा सशक्तिकरण है। महत्वच्यह दिन युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करने, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (टीवीईटी) को बढ़ावा देने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के युग में प्रासंगिक कौशल प्रदान करने पर केंद्रित है।

नामवर सिंह

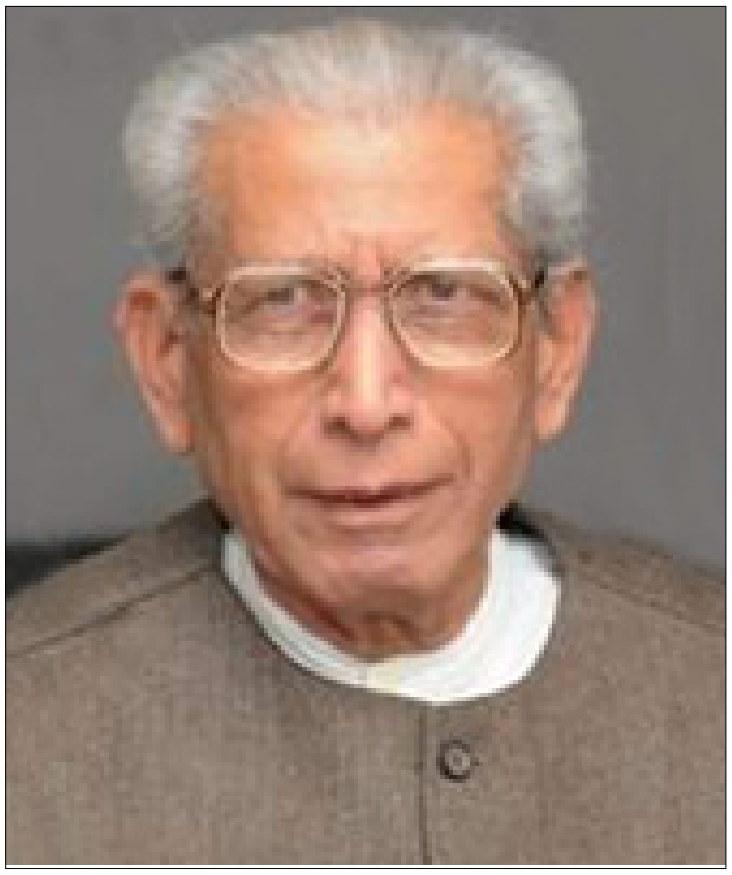

नामवर सिंह हिन्दी के प्रसिद्ध कवि और प्रमुख समकालीन आलोचक हैं।

जीवन परिचय

नामवर सिंह का जन्म 1 मई, 1927 को वाराणसी ज़िले के जीयनपुर नामक गाँव में हुआ। काशी हिंदू विश्वविद्यालय से उन्होंने हिन्दी में एम.ए. और पी.एच डी. की उपाधि ली। 82 वर्ष की उम्र पूर्ण कर चुके नामवर जी विगत 65 से भी अधिक वर्षों से साहित्य के क्षेत्र में हैं। पिछले 30-35 वर्षों से वे भारत के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर व्याख्यान भी दे रहे हैं। जब वे गांव में थे तो ब्रजभाषा में प्रायः श्रृंगारिक कविताएं लिखा करते थे। अब उन्होंने खड़ी बोली हिंदी में लिखना शुरू किया।

बनारस निवासी

नामवर सिंह बनारस के ईश्वर गंगी मुहल्ले में रहते थे। 1940 ई. में उन्होंने नवयुवक साहित्यिक संघ, नामक एवं साहित्यिक संस्था अपने सहयोगी पारसनाथ मिश्र सेवक के साथ निर्मित की थी, जिसमें हर सप्ताह एक साहित्यिक गोष्ठी होती थी। 1944 ई. से नामवर भी इसकी गंगी मुहल्ले में शामिल होते थे। ठाकुर प्रसाद सिंह ने ईश्वर गंगी मुहल्ले में भारतेन्दु विद्यालय एवं ईश्वर गंगी पुस्तकालय की स्थापना की थी। 1947 ई.में उनकी नियुक्ति बलदेव इंटर कॉलेज, बड़ागांव में हो गई। नवयुवक साहित्य संघ की ज़िम्मेदारी उन्होंने नामवर और सेवक जी को दे दी। इसकी गोष्ठियां टाकुर प्रसाद सिंह के बगैर भी बरसों चलती रही। बाद में इसका नाम सिर्फ साहित्यिक संघ हो गया। इसकी गोष्ठियों में बनारस के तत्कालीन प्रायः सभी साहित्यकार उपस्थित होते थे। नामवर के साथ त्रिलोचन एवं साही की इसमें नियमित उपस्थिति होती थी। नामवर की काव्य-प्रतिभा के निर्माण में इस संस्था का भी अप्रतिम योगदान है।

पहली कविता- नामवर सिंह के स्कूल के छात्र ङ्कसंघ से एक मासिक पत्रिका निकलती थी- क्षत्रिय मित्र। सरस्वती प्रसाद सिंह उसके संपादक थे। आगे चलकर शम्भूनाथ सिंह उसके संपादक हुए। कुछ समय तक त्रिलोचन ने भी उसका संपादन किया था। कवि नामवर की कवितांए उसमें छपने लगी। पहली कविता दीवाली शीर्षक से छपी। दूसरी कविता थी-सुमन रो मत, छेड़ गानाः त्रिलोचन ने पढ़ने की ओर, ख़ासकर आधुनिक साहित्य, उन्हें प्रेरित किया। उनकी ही प्रेरणा से उन्होंने पहली बार दो पुस्तकें ख़रीदी।

पहली निराला की अनामिका,एवं दूसरी इलाचन्द्र जोशी द्वारा अनूदित गोर्की की आवारा की डायरी। बनारस में सरसौली भवन में सागर सिंह नामक एक साहित्यिक व्यक्ति रहते थे। उनके घर पर प्रगतिशील लेखक संघ की एक गोष्ठी हुई थी, जिसमें त्रिलोचन कवि नामवर को भी ले गए थे यहीं पहली बार शिवदान सिंह चौहान और शमशेर बहादुर सिंह से परिचय हआ। यह बनारस की पहली गोष्ठी थी जिसमें उन्होंने कविता-पाठ किया।

बनारस में मिले साहित्य के संस्कार- कहा जाता है कि बनारस अपने आप में एक अद्भुत शहर है- तरह-तरह के मंदिर, गंगा के अनेक घाट, पंडे, पुरोहित और पाखंडी, पतली-पतली गलियां और सनातन काल से अपने पांडित्य, शास्त्रीयता के लिए प्रसिद्ध लोग! बनारस के विषय में नामवर सिंह कहते हैं कि काशी पंडे-पुरोहित और धार्मिक लोगों की है, किंतु उसमें कबीर और तुलसीदास की भी उपस्थिति है। उसी काशी में प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद हुए, इसलिए हमें कभी भूलना नहीं चाहिए कि काशी केवल एक पुरातनपंथी शहर ही नहीं है, बल्कि उसके विरोधी लड़ने वाले विचारक भी हुए। उसी काशी में सारनाथ भी है और विश्वनाथ भी है। काशी में क्वींस कॉलेज है, जो कभी अंग्रेज़ियत का गढ़ था और गवर्नमेंट संस्कृत कॉलेज हुआ करता था, जिसमें संस्कृत के बड़े-बड़े विद्वान् हुआ करते थे, जिसे अंग्रेज़ों ने बनाया था और वहीं मदनमोहन मालवीय ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय स्थापित किया। वहीं बाबू शिवप्रसाद गुप्त और आदरणीय नरेन्द्र देव ने काशी विद्यापीठ स्थापित किया। उस काशी में आया तो एक ओर नागरी प्रचारिणी सभा और दूसरी ओर प्रगतिशील लेखक संघ था। उसी काशी में प्रेमचंद का 'हंस' निकलता था, जो तब प्रगतिशील लेखक संघ का मुख पत्र था। उस काशी में जहां एक ओर भारत धर्म मंडल था, वहां कम्युनिस्ट पार्टी का दफ्तर भी था। वहीं कांग्रेस का दफ्तर था, वहीं कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी का भी दफ्तर था। तो काशी के कई रूप हैं।

व्यक्तित्व- नामवर के व्यक्तित्व के विकास में काशी की परंपरा और परिवेश की अहम भूमिका है। काशी उनके संस्कार में रचा-बसा है। लेकिन उनके निर्माण में आवाजापुर की साहित्यिक मंडली के बाद बनारस के हीवेट क्षत्रिय स्कूल के परिवेश की महत्वपूर्ण भूमिका थी, जहां एक से एक तपे-तपाए शिक्षक थे। उस स्कूल के प्राचार्य पहले अंग्रेज़ हुआ करते थे, पहले भारतीय प्राचार्य जगदीश प्रसाद सिंह थे, जिन्हें लोग जे.पी. सिंह कहा करते थे। वे सेंट जोन्स कॉलेज, आगरा के पढ़े थे और अंग्रेज़ी पढ़ाते थे। उस समय बनारस में लोगों की यह धारणा थी कि बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के कुलपति राधाकृष्णन सबसे अच्छी अंग्रेजी बोलते हैं और दूसरे जे.पी. सिंह। उनका अंग्रेज़ी कविता पढ़ाने का प्रभावशाली ढंग था। नामवर कहते हैं- 'वे कविता बहुत अच्छी तरह पढ़ाते थे। 'गोल्डन ट्रेजरी' पढ़ाई थी। वे इस कदर पढ़ाते थे कि कविता याद तो हो ही जाती थी, यह भी कि कविता को किस तरह पढ़ना चाहिए। रिसाइट कैसे करना चाहिए, एप्रीशिएट कैसे करना चाहिए। समझाना कैसे चाहिए।

खड़ी बोली का सवैया- 'तान के सोता रहा जल चादर, वायु-सा खींच जगा गया कोई।' मैं जब उसे पढ़ता था तो वे साथ-साथ उसे गाते थे। बड़े सहृदय थे। संगीत के मर्मज्ञ थे। गाते अच्छा थे क्लासिकल। तो एक उनकी छाप पड़ी। उनकी याददाश्त अद्भुत थी। जिसका नाम वो एक बार सुन लेते थे, याद रहता था। स्कूल के हजार-बारह सौ विद्यार्थी और सबके नाम उन्हें याद थे। किसी को देख लेते तो नाम से बुलाते। एक बार की घटना है। कुछ विद्यार्थी छिपकर सिनेमा देखने गए थे और देर से लौटे थे। छह बजे शाम के बाद आए। सर्दियों के दिन थे। धुंधलका हो चुका था। तांगे पर से उतरकर जैसे ही अंदर घुसे कि प्रिंसिपल साहब छड़ी उठाकर सामने थे। टोका। बारहों विद्यार्थियों को खड़ा कर दिया। नए लड़के थे। सबका नाम पूछा और सबको जाने दिया। अगले दिन जिस क्रम से वे खड़े थे, उसी क्रम से नोटिस उनको पहुंच गया और उन्हें उसी क्रम से प्रिंसिपल रूम में बुलाया गया। तो अद्भुत स्मरणशक्ति थी। आवाज़ गूंजती थी।' हीवेट क्षत्रिय स्कूल, इंटर में उदय प्रताप कॉलेज के नाम से जाना जाता था। पहले वहां इंटर तक की पढ़ाई होती थी। अब तो वह पी.जी. कॉलेज हो गया है। नामवर सिंह ने 1941 से 1947 तक वहां पढ़ाई की। जे.पी. सिंह के कारण स्कूल में कड़ा अनुशासन था। एक से एक शिक्षक थे। सुबह पी.टी. से लेकर शाम तक के हर घंटे का हिसाब था। पढ़ने का, खेलने का निर्धारित समय था। साप्ताहिक सांस्कृतिक-साहित्यिक कार्यक्रम होते थे।

बनारस में निराला का अभिनंदन- 1947 ई. में उन्होंने बारहवीं की परीक्षा पास की। इसी वर्ष बनारस में निराला का अभिनंदन किया गया था। समारोह का आयोजन नन्ददुलारे वाजपेयी ने किया था। इस आयोजन में कई युवा कवियों ने काव्य-पाठ किया था। निराला के हाथों नामवर सिंह को सौ रुपए का पुरस्कार भी मिला था। इस अवसर पर निराला ने अपनी प्रसिद्ध कविता 'राम की शक्तिपूजा' का पाठ भी किया था। इसी वर्ष इलाहाबाद में प्रगतिशील लेखक संघ का सम्मेलन भी हुआ था, जिसमें पहली बार राहुल सांकृत्यायन से भेंट हुई। उन्होंने समारोह की अध्यक्षता की थी। अज्ञेय, सज्जाद जहीर, नेमिचन्द्र जैन, प्रभाकर माचवे आदि ने इसमें भाग लिया था। यशपाल ने 'शेखर = एक जीवनी' की कड़ी आलोचना करते हुए एक लेख पढ़ा था।

बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में प्रवेश- नामवर सिंह ने बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में बी.ए. में प्रवेश किया तो रहने के लिए विश्वविद्यालय के पास ही संकटमोचन के इलाके में स्थित एक छात्रवास में आ गए। त्रिलोचन जी तब लंका मोहल्ले के अकनू भवन में रहते थे। प्राय- रोज सुबह गंगा-स्नान त्रिलोचन के साथ होता।

क्रेडिट कार्ड के नुकसान देख लिए तो फिर नहीं करेंगे इस्तेमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल आज बढ़ता जा रहा है। जिस तरह से लोग डेबिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे ही क्रेडिट कार्ड का उपयोग भी करने लगे हैं। अगर आप भी क्रेडिट कार्ड का यूज हर वक्त करते हैं, तो ये आर्टिकल आपके लिए हैं।

क्रेडिट कार्ड का ज्यादा इस्तेमाल आपको कई तरह के वित्तीय नुकसान देता है। जिसे अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं। आइए इन नुकसानों के बारे में डिटेल में जानते हैं।

क्या होते हैं नुकसान- बोझ के तले दब जाना- क्रेडिट कार्ड में इस्तेमाल करने के लिए अच्छी खासी लिमिट दी जाती है। कहा जाता है कि लिमिट का केवल 30 फीसदी उपयोग में लाना चाहिए। क्योंकि डायरेक्ट हमारे खाते से पैसे नहीं जा रहे हैं, इसलिए क्रेडिट कार्ड का लोग 30 फीसदी से ज्यादा उपयोग कर लेते हैं। इसका भुगतान कर पाना बाद में मुश्किल हो जाता है।

फिर अगर पूरा भुगतान नहीं किया, तो आपको बैलेंस पर पेनल्टी देनी पड़ती है। इस तरह से आपका वित्तीय बोझ बढ़ता चले जाता है।

क्रेडिट स्कोर खराब होना- अगर आप क्रेडिट कार्ड का समय पर भुगतान नहीं कर देते, तो इससे क्रेडिट स्कोर खराब होने के चांस बढ़ जाते हैं। आपका क्रेडिट स्कोर पूरी तरह से क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल और लोन पर निर्भर करता है। अगर आप क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल पर गलतियां करते हैं, तो इसका प्रभाव क्रेडिट स्कोर पर दिखता है।

फीस और चार्जिस- क्रेडिट कार्ड का रिवॉर्ड प्वाइंट और कैशबेक यूजर्स को अपनी ओर आकर्षित करता है। लेकिन इसमें कई तरह के हिडन चार्जिस और फीस छिप रहते हैं। जिनके बारे में लोगों को नहीं पता होता। यूजर्स को लेट पेमेंट फीस, ज्वाइनिंग फीस, Renewal fees और प्रोसेसिंग फीस देनी पड़ती है। अगर आप क्रेडिट कार्ड की पेमेंट देरी से करते हैं या समय रहते नहीं कर पाते, तो आपको भारी लेट फीस चूकानी पड़ सकती है।

सिर्फ एक क्लिक और हो जाता है लाखों का फ्रॉड! इससे कैसे बचें?

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिजिटल पेमेंट ने हमारे लेनदेन को क्रांतिकारी बना दिया है। UPI और मोबाइल वॉलेट्स से नकदी के झंझट से छुटकारा दिला दिया है। सिर्फ एक क्लिक और पेमेंट हो जाता है। यह काफी तेज, सुविधाजनक और बेहद आसान है। लेकिन सवाल है कि क्या यह पूरी तरह सुरक्षित है? इसे लेकर नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने डिजिटल ट्रांजैक्शन को सुरक्षित रखने के लिए 5 जरूरी टिप्स बताए हैं। जिससे आप हर दिन होने वाली धोखाधड़ी से बच सकते हैं।

1. पेमेंट से पहले वेरिफाई करें- अगर आप किसी व्यक्ति को पेमेंट करने जा रहे हैं तो पहले उसे वेरिफाई करें। यानी पेमेंट से पहले उसका नाम और डिटेल्स अच्छे से चेक करें, ताकि धोखा देने वालों से बचा जा सके।

2. भरोसेमंद ऐप और वेबसाइट का इस्तेमाल- हमेशा भरोसेमंद और ऑफिशियल पेमेंट ऐप या वेबसाइट से ही लेन-देन करें। संदिग्ध लिंक या ऐप को डाउनलोड करने से बचें। ठग नकली सरकारी, पुलिस या बैंक अधिकारी बनकर झूठी जानकारी मांग सकते हैं।

3. कभी भी पासवर्ड शेयर ना करें- अपने UPI पिन, OTP, बैंक पासवर्ड किसी को भी न बताएं। कोई भी असली बैंक या सरकारी अधिकारी आपसे ये जानकारी नहीं मांगता।

कितने रुपए से हुई थी टाटा ग्रुप की शुरुआत? आज उस कीमत में एक ढंग का स्मार्टफोन भी नहीं मिलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा ग्रुप भारत के सबसे बड़े और पुराने बिजनेस ग्रुप में से एक है। बता दें कि टाटा ग्रुप, जो कि नमक से लेकर ट्रक तक बनाता है, का इतिहास 157 साल पुराना है। टाटा ग्रुप की शुरुआत गुजरात के नवसारी में जन्मे जमशेदजी टाटा ने की थी। उन्होंने 1870 के दशक में इस बड़े बिजनेस साम्राज्य को स्थापित किया था। मगर क्या आप जानते हैं कि टाटा ग्रुप, जिसकी मार्केट कैपिटल आज लाखों करोड़ रु है, की शुरुआत कितने रुपये से हुई थी? आइए हम बताते हैं।

21,000 रुपये से की शुरुआत- सिर्फ 29 साल की उम्र में जमशेदजी ने मात्र 21,000 रुपये की कैपिटल के साथ सन 1868 में टाटा ग्रुप की शुरुआत की। शुरुआत में उन्होंने एक ट्रेडिंग कंपनी बनी। यहीं से टाटा ग्रुप के बिजनेस साम्राज्य की नींव पड़ी।

आज टाटा ग्रुप के पास 33 प्रमुख कंपनियां हैं, जिनमें से 26 कंपनियां लिस्टेड हैं। इतिहास पर नजर डालें तो जमशेदजी ने खुद का बिजनेस उस शुरू किया, जब भारतीय लोग अंग्रेजों के शासन में दबाव महसूस कर रहे थे। मगर जमशेदजी दूर की सोचने वाले थे। इसीलिए उन्होंने सिर्फ 14 साल की उम्र में अपने पिता के साथ रहने के लिए बंबई जाने का फैसला किया और एलफिंस्टन कॉलेज में दाखिला लिया।

कितनी है Tata Group की लिस्टेड कंपनियों की Mcap- टाटा ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों में टीसीएस, टाटा मोटर्स, टाटा पावर, टाटा स्टील, टाइटन , टाटा कम्युनिकेशन, ट्रेंट टाटा इलेक्सी शामिल है।

बता दें कि टाटा ग्रुप की वेबसाइट के अनुसार इसकी 26 लिस्टेड कंपनियों की मार्केट कैपिटल 31 मार्च, 2024 तक 365 बिलियन डॉलर से अधिक थी, जो भारतीय करेंसी में 31.38 लाख करोड़ रु से अधिक बनती है।

नॉर्थ ईस्ट इंडिया घूमने का सुनहरा मौका, वादियों का मिलेगा पूरा माजा; इतने रुपये है कीमत?

नई दिल्ली (एजेंसी)। नॉर्थ ईस्ट की वादियां और सुनहरा मौसम यहीं हमेशा से हमारी लिस्ट में रहता है। अगर आप भी नॉर्थ ईस्ट की वादियों का मजा लेना चाहते हैं, तो ढ्ढ्रष्टञ्ज आपके लिए कमाल का टूर पैकेज लेकर आया है। इस पैकेज के तहत आपको 12 रात और 13 दिन घूमाया जाएगा।

क्या-क्या घूमने को मिलेगा- IRCTC के इस खास पैकेज में आपको नॉर्थ ईस्ट के दार्जिलिंग और गंगटोक घूमने को मिलेगा। इस सफर में नॉर्थ की ईस्ट की खूबसूरत वादियों का मजा ले सकते हैं।

हर शुक्रवार के दिन इस टूर पैकेज की शुरुआत जाएगी। इसका आनंद लेने के लिए पटना के राजेंद्र नगर में जाना होगा।

IRCTC Package के बारे में बेसिक डिटेल्स

अवधि- 6 रात और 7 दिन-
समय- हर बुधवार और शुक्रवार,
खाना- ब्रेकफास्ट और डिनर
कवर, ट्रैवल मोड- ट्रेन

इस टूर पैकेज के तहत आपको पटना के राजेंद्र नगर से बुधवार और शुक्रवार की ट्रेन लेनी होगी।स पैकेज के तहत दो ट्रेन RJPB-NJP और SGUJ-RJPB शामिल हैं। इसके तहत आपको ब्रेकफास्ट और डिनर मिलेगा।

ये टूर पैकेज कुल मिलाकर 6 रात और 7 दिन का होने वाला है।

कितनी होगी कीमत- ऑक्यूपेंसी के आधार पर इसकी कीमत अलग-अलग रखी गई है। जैसे सिंगल ऑक्यूपेंसी 56600 रुपये, डबल ऑक्यूपेंसी 32090 रुपये और ट्रिपल ऑक्यूपेंसी 25,670 रुपये होगा।

भारत के आम उगाकर भारत का ही बाजार कब्जा रहा चीन, नेहरू के दोस्ताना तोहफे से दुनियाभर में फैलाया जाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। जब भारत के पहले प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू ने 1950 के दशक में चीन को आम के 8 पौधे तोहफे में दिए थे, तब शायद किसी ने नहीं सोचा होगा कि एक दिन वही चीन भारतीय आमों से भारत को ही मंडी में पीछे छोड़ देगा।

आज चीन न सिर्फ दशहरी, चौसा, अल्फांसो और लंगड़ा जैसी भारतीय किस्मों की खेती कर रहा है, बल्कि उन्हें दुनियाभर में एक्सपोर्ट भी कर रहा है। इतना ही नहीं कुछ आम तो चीन से आयात होकर भारत भी लौट रहे हैं।

भारत सबसे बड़ा उत्पादक, लेकिन चीन से पीछे - भारत दुनिया में सबसे ज्यादा आम पैदा करता है। दुनिया के कुल उत्पादन का 40%, फिर भी आम एक्सपोर्ट में चीन पिछले दो सालों से आगे है। बात 2023 करें तो चीन ने 59.43 मिलियन डॉलर के आम एक्सपोर्ट किए, जबकि भारत ने 55.94 मिलियन डॉलर के आम ही एक्सपोर्ट कर पाए।

वहीं 2022 में, चीन का एक्सपोर्ट 61.91 मिलियन डॉलर था जबकि भारत का सिर्फ 45.76 मिलियन डॉलर ही हो पाया था। हालांकि 2024 के पहले पांच महीनों में, भारत ने 49.55 मिलियन डॉलर के आम एक्सपोर्ट किए हैं, जो पूरे 2022 से ज्यादा है। यानी उम्मीद की किरण अभी बाकी है।

एक्सपोर्ट को लेकर क्या हैं भारत की चुनौतियाँ- उत्तर प्रदेश के आम उत्पादकों के मुताबिक, भारत के आमों में गुणवत्ता की कमी, बैन कीटनाशकों का इस्तेमाल और लॉजिस्टिक सपोर्ट की कमी बड़ी बाधाएं हैं।

दूसरी ओर, चीन ने हैनान और गुआंगडोंग जैसे दक्षिणी राज्यों में भारतीय किस्मों को सफलतापूर्वक उगाया है और उन्हें पैकेजिंग, गुणवत्ता और समय पर डिलीवरी में महारत हासिल है।

6 साल बाद हटा दिवालियापन का दाग, तेजी से भागे अनिल अंबानी की कंपनी के शेयर, रेटिंग अपग्रेड होने से खुश निवेशक

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के शेयरों में आज बाजार की गिरावट के बावजूद बड़ी तेजी देखने को मिल रही है। दरअसल, एक खुशखबरी के चलते निवेशक, रिलायंस इन्फ्रा के शेयरों में खरीदारी कर रहे हैं। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में क्रेडिट रेटिंग को लेकर बड़ा अपडेट दिया है, इसमें बताया गया है कि कंपनी की क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड किया गया है। खास बात है कि रेटिंग एजेंसी ने 6 साल बाद कंपनी की रेटिंग को लेकर बड़ा अपग्रेड दिया है।

रिलायंस इन्फ्रा ने 11 जुलाई को बाजार बंद होने के बाद एक्सचेंज को दी फाइलिंग में इस बात की जानकारी दी। 14 जुलाई को मार्केट खुलते ही अनिल धीरू भाई अंबानी की मालिकाना हक वाली इस कंपनी के शेयरों में तेजी देखने को मिली। रिलायंस इन्फ्रा के शेयर 385 रुपये के स्तर पर खुले और 396 रुपये का हाई लगाकर 3 फीसदी की तेजी के साथ 389 रुपये के स्तर पर ट्रेड कर रहे हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

पीडीएस सूची में से ऐसी युवतियों के सबसे ज्यादा नाम कटे, जिनकी हो गई शादी

ग्वालियर। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत मुफ्त राशन के लिए प्रदेश में 92 प्रतिशत हितग्राहियों की ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इस प्रक्रिया की अंतिम तिथि तीन बार बढ़ाई गई है, और अब 31 जुलाई को नई तिथि निर्धारित की गई है। सबसे अधिक संख्या में राशन सूची से उन युवतियों के नाम हटाए गए हैं जिनकी शादी हो गई। इसके अलावा, मृत व्यक्तियों के नाम भी हटाए गए हैं।

अभियान पहले की तरह व्यापक नहीं

प्रदेश भर में नाम हटाने का अभियान चलाया जा रहा है। अब ई-केवाईसी के बाद केवल उन्हीं व्यक्तियों को राशन दिया जाएगा, जो स्वयं पात्र हैं। परिवार के अन्य सदस्यों को राशन नहीं मिलेगा। जिन लोगों ने ई-केवाईसी नहीं कराई है, उनके नाम उचित मूल्य की दुकान की राशन सूची से जल्द ही हटा दिए जाएंगे। बचे हुए उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी भी की जा रही है, लेकिन यह अभियान पहले की तरह व्यापक नहीं है।

ई-केवाईसी में भौतिक सत्यापन अनिवार्य

दो से तीन माह में ऐसे उपभोक्ताओं का नाम राशन सूची से स्वतः हटा दिया जाएगा। वर्तमान में तीन माह का राशन वितरण किया जा रहा है, जिसके लिए केंद्र सरकार ने निर्देश जारी किए हैं। पीडीएस की सूची में मृत व्यक्तियों के नाम भी समय पर अपडेट नहीं होते, जिससे राशन जारी होता रहता है। ई-केवाईसी के माध्यम से अब यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि मृत व्यक्तियों का राशन परिवार न ले सके। ई-केवाईसी में भौतिक सत्यापन अनिवार्य है।

ई-केवाईसी के माध्यम से पात्र व्यक्तियों को राशन मिल सकेगा। ई-केवाईसी न कराने वालों का नाम दो से तीन माह में हटा दिया जाएगा। ग्वालियर में 35 हजार नाम हटाए गए हैं, जिनमें अधिकतर युवतियां शामिल हैं, जिनकी शादी हो चुकी थी।

- सौरभ जैन, सहायक आपूर्ति अधिकारी, ग्वालियर।

बुरहानपुर में ABVP ने अफसरों को ऑफिस के अंदर बंद कर लगाया ताला, गेट के बाहर जमकर विरोध प्रदर्शन

बुरहानपुर। निजी स्कूलों की मनमानी फीस वृद्धि सहित अन्य मांगों पर जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा कोई कार्रवाई नहीं किए जाने से नाराज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने सोमवार दोपहर जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यालय में ताला जड़ दिया।

परिषद के पदाधिकारी ताला लगा कर गेट के बाहर ही बैठ गए और विरोध प्रदर्शन करने लगे। दोपहर सवा बारह बजे से करीब डेढ़ घंटे तक डीईओ कार्यालय के एक दर्जन से ज्यादा कर्मचारी अपने ही कार्यालय में कैद रहे।

हालांकि इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी संतोष सिंह सोलंकी कार्यालय में नहीं थे। सूचना मिलने पर एसडीएम अजमेर सिंह गौड़ व डिप्टी कलेक्टर राजेश पाटीदार सहित पुलिस बल मौके पर पहुंचा।

डिप्टी कलेक्टर राजेश पाटीदार ने विरोध प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थी परिषद के प्रियांशी ठाकुर सहित अन्य पदाधिकारियों को आश्वस्त किया कि वे गुरुवार को जिला शिक्षा अधिकारी के साथ बैठक करा सभी समस्याओं का समाधान करा देंगे। इसके बाद विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारियों ने कार्यालय का ताला खोला और प्रदर्शन समाप्त किया।

तिलक लगाने पर पाबंदी का विरोध

विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि शहर के इसाई मिशनरियों द्वारा संचालित स्कूलों में हिंदू बच्चों के तिलक लगा कर जाने पर पाबंदी लगा दी गई है। निजी स्कूल मनमाने तरीके से फीस बढ़ा रहे हैं और कॉपी, किताबों के दामों में हर साल मनमानी वृद्धि की जा रही है।

फीस जमा नहीं करने पर विद्यार्थियों को परीक्षा तक से वंचित कर दिया जाता है। इन सभी समस्याओं को लेकर कई बार ज्ञापन सौंपे गए और मौखिक शिकायत की गई, लेकिन जिला शिक्षा अधिकारी ने मौन साध रखा है। यही वजह है कि विवश होकर कार्यालय में तालाबंदी करनी पड़ी।

पदाधिकारियों पर कार्रवाई की तलवार-जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यालय में ताला लगा कर कर्मचारियों को कैद करने के मामले में विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारियों पर भी कार्रवाई की तलवार लटक रही है। सिटी मजिस्ट्रेट राजेश पाटीदार का कहना है कि कार्यालय पर ताला लगाना गलत है। इस संबंध में कलेक्टर हर्ष सिंह से चर्चा की जाएगी। वहां से जो भी निर्देश मिलेंगे उसके अनुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में जिला शिक्षा अधिकारी संतोष सिंह सोलंकी से भी संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन संपर्क नहीं हो पाया।

भोपाल मंडल सहित पश्चिम मध्य रेलवे में 16 जुलाई से आठ घंटे पहले जारी हो जाएगा रिजर्वेशन चार्ट

भोपाल। पश्चिम मध्य रेलवे में अब यात्रियों के लिए आरक्षण सूची तैयार करने की समय-सीमा में बदलाव होने जा रहा है। इसके तहत ट्रेन के प्रस्थान समय से आठ घंटे पहले आरक्षण सूची जारी हो जाएगी। भोपाल मंडल के साथ पश्चिम मध्य रेलवे के अन्य मंडलों में भी इसे 15-16 जुलाई की मध्य रात्रि से लागू कर दिया जाएगा। यह नई व्यवस्था यात्रियों को यात्रा से पहले टिकट कन्फर्मेशन की स्थिति जानने में बड़ी राहत देगी।

रेल अधिकारियों ने बताया कि 16 जुलाई को सुबह आठ बजे रवाना होने वाली ट्रेनों की आरक्षण सूची 15-16 जुलाई की रात 12 बजे जारी हो जाएगी। छिंदवाड़ा से इंदौर जाने वाली पंचवैली एक्सप्रेस पहली ट्रेन होगी, जिसकी आरक्षण सूची भोपाल में रात 12 बजे तैयार हो जाएगी। अभी तक की व्यवस्था में ट्रेन के प्रस्थान समय से चार घंटे

पहले आरक्षण सूची जारी होती थी। स्टेशन जाने के बाद पता चलता है टिकट कन्फर्म हुआ या नहीं

इसकी वजह से प्रतीक्षा सूची में शामिल ऐसे लोगों को दिक्कत होती थी, जो दूर से आते थे। उन लोगों को पांच-छह घंटे पहले रेलवे स्टेशन के लिए निकलना पड़ता था, तब तक उन्हें यह पता नहीं रहता था कि उनका टिकट कन्फर्म हुआ है या नहीं। प्राय- ऐसे लोगों को स्टेशन जाने के बाद पता चलता कि उनका टिकट कन्फर्म नहीं हुआ। इस स्थिति में उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता था।नई व्यवस्था के लागू होने से यात्रियों को ट्रेन छूटने से आठ घंटे पहले से ही जानकारी मिल सकेगी कि उनका टिकट कन्फर्म हुआ है या नहीं। इससे वे समय रहते वैकल्पिक यात्रा की योजना बना सकेंगे। रेलवे बोर्ड ने टिकट आरक्षण व्यवस्था में यह बदलाव एक जुलाई से लागू किया था।

रेल यात्रियों को मिलेगी सुविधा रेल यात्रियों की सुविधा के लिए अब ट्रेन के रवाना होने से आठ घंटे पहले आरक्षण सूची जारी की जाएगी। भोपाल मंडल सहित पश्चिम मध्य रेलवे में यह व्यवस्था 15-16 जुलाई की मध्यरात्रि से लागू की जा रही है।

-नवल अग्रवाल, जनसंपर्क अधिकारी, भोपाल रेल मंडल

बिना लाइसेंस इलेक्ट्रिक बाइक चला सकते हैं, लेकिन तीन सवारी बैठाई तो होगी कार्रवाई

शिवपुरी। शहर के ग्वालियर बाईपास पर रविवार को जेएमएफसी न्यायाधीश रिचा सिंह राजावत व निहारिका सिंह ब्यास ने मोबाइल कोर्ट लगाया। इस दौरान उन्होंने कई वाहनों की चेकिंग की।

जब मोबाइल कोर्ट चल रहा था तो एक बाइक पर एक युवक चार बच्चों सहित कुल पांच सवारियां बैठाकर फर्राटे भरते हुए जा रहा था। जब पुलिसकर्मियों ने उसकी बाइक रोकी तो युवक ने चालान से बचने के लिए बहाना बनाने का प्रयास करते हुए कहा कि

आज रविवार था इसलिए बच्चों के बाल कटवाने ले जा रहा था।

इस पर न्यायाधीश ने युवक से कहा कि अगर इतनी सवारियां लेकर चलोगे तो क्या एक्सीडेंट नहीं होगा? न्यायाधीश ने उसे समझाइश दी, जिसके बाद उसका एक हजार रुपये का चालान काटा।

इसी प्रकार एक इलेक्ट्रिक बाइक पर फर्राटे भरते हुए तीन बच्चे जा रहे थे। बाइक रुकवा कर न्यायाधीश ने बच्चों से पूछा, आपकी उम्र कितनी है। बच्चे ने तपाक से जवाब दिया मैडम, 16 साल। न्यायाधीश ने इसके बाद बच्चे से सवाल किया कि आपके पास लाइसेंस है? तो बच्चे ने फिर से जवाब देते हुए कह दिया मैडम ये तो इलेक्ट्रिक बाइक है, इसमें लाइसेंस की क्या जरूरत।

न्यायाधीश ने बच्चे को समझाया कि बिना लाइसेंस के इलेक्ट्रिक बाइक तो चला सकते हैं लेकिन तीन सवारी बैठाकर नहीं। इसके बाद बच्चे की इलेक्ट्रिक बाइक को जब्त किया गया।

इस पूरी कार्रवाई के दौरान कुल 23 वाहनों पर चालानी कार्रवाई करते हुए 14 हजार 800 रुपये का चालान काटा गया। वहीं जिन लोगों ने फोन लगवाकर या फिर कोई अन्य बहाना बनाकर चालान से बचने का प्रयास किया ऐसे 7 लोगों की बाइक व एक कार को जब्त किया गया।

न्यायाधीश ने सभी आठों वाहनों को न्यायालय में पेश करने के निर्देश दिए। चेकिंग के दौरान यातायात प्रभारी रणवीर सिंह यादव, सूबेदार नीतू अवस्थी, सूबेदार प्रियंका घोष आदि उपस्थित थे।

इंदौर का मध्यस्थता मॉडल प्रदेश के लिए बना मिसाल

आपसी सुलह और समझौते से 5 हजार से अधिक मामलों का हुआ समाधान

इंदौर। सिविल प्रक्रिया संहिता संशोधन अधिनियम 1999 की धारा 89 के तहत वैकल्पिक विवाद समाधान की विधा मध्यस्थता को कानूनी मान्यता प्रदान की गई है। यह एक गैर-बाध्यकारी, निष्पक्ष, निःशुल्क तथा स्वैच्छिक प्रक्रिया है, जिसमें प्रशिक्षित मध्यस्थ पक्षकारों को संवाद के माध्यम से विवाद समाधान तक पहुंचने में मदद करते हैं। इंदौर जिले ने इस प्रक्रिया को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है और प्रदेश भर में एक आदर्श मॉडल प्रस्तुत किया है।

उच्च न्यायालय इंदौर खंडपीठ के न्यायमूर्ति श्री विवेक रुसिया की पहल पर तथा कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में जिला प्रशासन इंदौर के सक्रिय सहयोग से इस प्रक्रिया का सुनियोजित एवं प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश शमीम अहमद के नेतृत्व में प्रशिक्षित मध्यस्थों की टीम ने अब तक 5 हजार से अधिक मामलों का समाधान आपसी समझौते से कराया है।

समझौते से सुलझे सैकड़ों विवाद, मुकदमेबाज़ी की जरूरत नही- इंदौर में वैवाहिक, पारिवारिक, कार्यालयीन और पड़ोसी विवादों को प्राथमिकता के साथ मध्यस्थता प्रक्रिया में लिया जा रहा है। यह एक पूर्णतः गोपनीय प्रक्रिया है, जिसमें दोनों पक्षों के हितों की रक्षा करते हुए पारंपरिक मुकदमेबाज़ी के मुकाबले शांतिपूर्ण और स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाता है।

जनसुनवाई में प्राप्त उपयुक्त मामलों को अब कलेक्टर कार्यालय स्थित मध्यस्थता केंद्र में भेजा जाता है। इस सुविधा को नागरिकों के लिए अधिक सुलभ बनाने हेतु जिले में 22 मध्यस्थता केंद्र कार्यरत हैं।

विविध समाजों की भागीदारी और विशेषज्ञों का सहयोग- इंदौर में हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई सहित 27 विभिन्न समाजों के 123 वरिष्ठ जन इस अभियान से जुड़े हैं। इसके अतिरिक्त पूर्व न्यायाधीश, डॉक्टर, इंजीनियर, अधिवक्ता, समाजसेवी, सीए और सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी भी मध्यस्थता समिति में शामिल हैं। इन्हें 20 घंटे के विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से मध्यस्थ के रूप में तैयार किया गया है।

120 से अधिक सक्रिय मध्यस्थ, सतत जनजागरूकता अभियान- वर्तमान में 120 से अधिक प्रशिक्षित मध्यस्थ इंदौर जिले में सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। पिछले दो वर्षों में उन्होंने सैकड़ों जटिल मामलों का समाधान आपसी सहमति से कर न्यायालय का समय बचाया है। जनजागरूकता के लिए लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं ताकि नागरिकों को मध्यस्थता प्रक्रिया की जानकारी मिल सके और इसे लोकप्रियता व स्वीकार्यता प्राप्त हो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की सराहना- प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उच्च शिक्षा मंत्री रहते हुए बाणगंगा स्थित मध्यस्थता केंद्र का शुभारंभ किया था। उन्होंने इस प्रक्रिया की सराहना करते हुए कहा, ÷इस प्रक्रिया में कोई हारता नहीं, दोनों पक्ष जीतते हैं।

समाज में संवाद, सम्मान और समाधान का आधार- इंदौर की यह पहल केवल विवादों का समाधान नहीं है, बल्कि यह न्यायपालिका के सहयोगी के रूप में समाज में शांति, संवाद और सम्मान को बढ़ावा देने वाली अनुकरणीय व्यवस्था बन गई है। मध्यस्थता अब केवल न्याय का विकल्प नहीं, बल्कि समाज सुधार की दिशा में एक प्रभावी कदम बन चुकी है।

करणी सेना के प्रदर्शन के बाद इंदौर-देवास रोड पर ट्रैफिक जाम

इंदौर। इंदौर-देवास रोड पर रविवार को फिर घंटों तक जाम लगा रहा। देवास के भोपाल ब्रिज पर वाहनों की कतार दो से तीन घंटे तक लगी रही। इस बार जाम की वजह बायपास पर हो रहे निर्माण नहीं बल्कि करणी सेना का प्रदर्शन था।हरदा में करणी सेना के कार्यकर्ताओं पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में देवास में भी करणी सेना के कार्यकर्ता प्रदर्शन करने लगे। उन्होंने बायपास पर वाहनों को रोकना शुरू कर दिया। पहले भोपाल से इंदौर की तरफ से आने वाली लेन पर वाहनों की कतार लग गई।जब सड़क पर जाम लगा,तब वहां पर ट्रैफिक पुलिस जवान भी तैनात नहीं थे। कुछ ही देर में डेढ़ किलोमीटर तक वाहनों की कतार लग गई। इसमें यात्री बसें, ट्रक, कार सहित अन्य वाहन शामिल थे। लोगों यह पता करने की कोशिश करने लगे कि ट्रैफिक जाम क्यों हो रहा है।

कुछ देर बाद बायपास के दूसरी तरफ भी ट्रैफिक जाम हो गया। करीब दो घंटे बाद ट्रैफिक बहाल हुआ। पुलिस अफसर मौके पर पहुंचे। उन्होंने करणी सेना के पदाधिकारियों से चर्चा की। इसके बाद दोनों तरफ वाहनों की आवाजाही शुरू हो पाई। आपको बता दें कि इंदौर देवास बायपास पर अर्जुन बड़ौद के समीप दस दिन पहले हुए ट्रैफिक जाम का मुद्दा प्रदेशभर में चर्चा का विषय था। इस मामले में हाईकोर्ट में याचिका लगी थी। तब एनएचएआई के वकील के सवाल की सोशल मीडिया पर खूब किरकिरी हुई थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का दुबई में अभूतपूर्व स्वागत

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को दुबई पहुंचे। डॉ. यादव का भारतीय समुदाय के नागरिकों और उद्योगपतियों ने गर्मजोशी से अभूतपूर्व स्वागत किया। दुबई में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को मालवा क्षेत्र के पुराने साथी भी मिले, जिनसे मिलकर वे भावुक हो गए। ताज होटल में भारतीय समुदाय ने पलक-पांवड़े बिछाकर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के आत्मीय और सरल व्यवहार ने सभी मेजबानों का दिल छू लिया।

आत्मीय स्वागत से अभिभूत मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने लिखा, ÷दुबई में भारतीयों ने अपनी मेहनत, संस्कृति और संस्कारों से विशेष पहचान बनाई है। यूएई प्रवास के दौरान दुबई स्थित ताज होटल में भारतीय भाई-बहनों और युवाओं से भेंट कर हृदय आनंदित है। सभी की आत्मीयता के लिए हार्दिक आभार! उन्होंने अपनी यात्रा की कुछ तस्वीरें भी साझा कीं।

यात्रा का उद्देश्य- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 19 जुलाई तक दुबई और स्पेन की यात्रा पर रहेंगे। इस यात्रा का प्रमुख उद्देश्य मध्यप्रदेश में वैश्विक निवेश को आकर्षित करना, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को बढ़ावा देना और रोजगार के नए अवसरों का सृजन करना है। यह दौरा प्रदेश को वैश्विक मंच पर एक आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

सावन में कावड़ यात्राओं से ट्रक रूट जाम, 130 किमी घूमकर जाएंगे वाहन

इंदौर। सावन माह में कावड़ यात्राओं की भीड़ और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए इंदौर के बाद अब खंडवा जिला प्रशासन ने भी बड़ा फैसला लिया है। खंडवा कलेक्टर ऋषव गुप्ता द्वारा जारी आदेश के तहत इंदौर-इच्छापुर मार्ग पर भारी मालवाहक वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह आदेश जनसुरक्षा, शांति और सुव्यवस्था को बनाए रखने के लिए लिया गया है, क्योंकि इस मार्ग पर यातायात अत्यधिक व्यस्त रहने से दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है।

देशगांव होकर गुजरेंगे ट्रक, इंदौर से महाराष्ट्र और साउथ तक यात्रा होगी लंबी- खंडवा जिले में अब बुरहानपुर की ओर से आने वाले भारी वाहन देशग्राम होते हुए एबी रोड तक पहुंच सकेंगे। वहीं, इंदौर से चलने वाले भारी वाहन तेजाजी नगर से डायवर्ट होकर मानपुर, खरगोन होते हुए देशगांव के रास्ते आगे बुरहानपुर जाएंगे। पहले जहां वाहन सनावद होकर खंडवा पहुंचते थे, अब उन्हें देशगांव तक घूमकर जाना होगा, जिससे दूरी और खर्च दोनों में बढ़ोतरी होगी।

हर ट्रक को 10 हजार रुपये की अतिरिक्त लागत, रोज 3500 गाड़ियों पर असर

इंदौर ट्रक ऑपरेटर एंड ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष सी.एल. मुकाती ने बताया कि इस प्रतिबंध से इंदौर से खंडवा के बीच रोज चलने वाले करीब 3500 ट्रकों पर असर पड़ेगा। पहले जहां दूरी 150 किमी थी, अब यह 280 किमी तक हो जाएगी। इससे ट्रकों को आने-जाने में 8 हजार रुपये का अतिरिक्त डीजल और 2 हजार रुपये का अतिरिक्त टोल देना होगा। इससे यात्रा समय और लागत दोनों बढ़ जाएंगे। वहीं, इंदौर-खंडवा मार्ग के ग्रामीण क्षेत्रों तक सामान पहुंचने में भी देरी होगी, जिससे स्थानीय व्यापारी परेशान होंगे।

मंत्री तुलसीराम सिलावट के निर्देश पर सिंगापुर टाउनशिप अंडरपास का रेलवे, नगर निगम, यातायात पुलिस और अन्य अधिकारियों द्वारा निरीक्षण, जल्द पूर्णता का आश्वासन

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट के निर्देश पर आज निर्माणाधीन सिंगापुर टाउनशिप अंडरपास का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य अंडरपास निर्माण की वजह से उत्पन्न यातायात जाम की समस्या का समाधान तलाशना और कार्य में तेजी लाना था। मंत्री श्री सिलावट के मौखिक निर्देशों के अनुपालन में रतलाम रेलवे मंडल प्रबंधक से चर्चा कर वरिष्ठ संभागीय अभियंता को मौका मुआयना करने हेतु निर्देशित किया गया। इस क्रम में रेलवे, नगर निगम व प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा अंडरपास स्थल का निरीक्षण कर निर्माण की प्रगति एवं संभावित सुधारों का आंकलन किया गया। निरीक्षण के दौरान रेलवे अधिकारियों ने अंडरपास का शेष निर्माण कार्य, रिटेनिंग वॉल का निर्माण, तथा मार्ग चौड़ीकरण का कार्य अगले 45 दिनों में पूर्ण करने का आश्वासन दिया।

मांगलिया आरओबी से भी मिलेगी राहत यातायात के दबाव को कम करने के उद्देश्य से मांगलिया में निर्माणाधीन आरओबी को आगामी 7 दिनों के भीतर मोटरसाइकिल एवं कारों के लिए 45 दिन तक अस्थायी रूप से खोला जाएगा, जिससे वैकल्पिक आवागमन की सुविधा मिल सके तथा सिंगापुर टाउनशिप अंडरपास पर यातायात का दबाव कम हो सके।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशानुरूप कावड़ यात्राओं के लिए इंदौर में किये गए इंतजाम

इंदौर। श्रावण मास के पावन अवसर पर भगवान शिव के दर्शन हेतु कावड़ यात्रियों की बड़ी संख्या में उज्जैन, ओंकारेश्वर एवं अन्य शिव तीर्थों की ओर यात्रा आरंभ हो चुकी है। यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार इंदौर जिले में प्रशासन द्वारा विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन एवं समाज के विभिन्न वर्गों के सहयोग से कावड़ यात्रियों के लिए राजोदा (सांवेर रोड) एवं बाईग्राम (खंडवा रोड, महू क्षेत्र) में ठहराव, भोजन और विश्राम की समुचित व्यवस्थाएं की गई हैं।

इंदौर-उज्जैन महाकालेश्वर मार्ग पर राजोदा ग्राम में रामा फास्फेट फैक्ट्री के सामने और इंदौर-ओंकारेश्वर मार्ग पर बाईग्राम में वाटरप्रूफ डोम बनाए गए हैं, जिनमें यात्रियों को शयन, भोजन, चाय, फलाहार एवं प्राथमिक उपचार जैसी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। भोजन की व्यवस्था प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से रात्रि 10 बजे तक सक्रिय रहेगी।

भोजन एवं फलाहार की विशेष व्यवस्था- श्रद्धालुओं के लिए बनाए गए कैंपों में चाय, रोटी, पूरी, सब्जी, दाल, चावल, खिचड़ी आदि भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। वहीं, उपवास रखने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा गया है। उनके लिए फलाहार में मोरधन की खिचड़ी, केले, ककड़ी तथा साबूदाने की खिचड़ी उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे उपवास वाले यात्री भी बिना कठिनाई के अपनी यात्रा पूरी कर सकें।

इस सेवा भावना से श्रद्धालुओं में हर्ष का वातावरण है। कावड़ यात्रा की कठिन साधना को सहज एवं सुखद बनाने हेतु की गई इन व्यवस्थाओं को श्रद्धालुजन आत्मीयता से सराह रहे हैं। यह सेवा-प्रयास श्रावण मास में भक्ति, जनसहभागिता और सुशासन का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है।

इंदौर में शराब दुकान का विरोध कर रहे रहवासियों ने की तोड़फोड़

इंदौर। इंदौर में शराब दुकानों को विरोध लगातार जारी है। रविवार को टिगरिया बादशाह में शिफ्ट हुई शराब दुकान का लोगों ने विरोध किया। रविवार रात को आक्रोशित रहवासियों ने शराब दुकान में तोड़फोड़ कर दी और जमकर आक्रोश जताया। विरोध कर रहे रहवासी शराब दुकान में घुस गए और तोड़फोड़ मचा दी। शराब ठेकेदार ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद विरोध कर रहे रहवासी मौके से हट पाए।

टिगरिया बादशाह क्षेत्र में शराब की दुकान खोले जाने का रहवासी लगातार विरोध कर रहे थे। उनका कहना था कि इससे क्षेत्र में अपराध बढ़ेगे। प्रशासन ने दुकान शिफ्ट नहीं की तो रहवासियों का आक्रोश शराब दुकान पर निकला। रविवार रात रहवासी शराब दुकान के सामने एकत्र हुए। इनमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थी।

पहले उन्होंने नारेबाजी की। इसके बाद प्रदर्शनकारी भीड़ अचानक शराब दुकान के भीतर घुस गई। दुकान के पीछे लोग शराब भी पी रहे थे। अचानक रहवासियों ने शराब दुकान में तोड़फोड़ मचा दी और रहवासी नारेबाजी करने लगे। माहौल गरमाता देख शराब पी रहे लोग भागने लगे। शराब ठेकेदार ने पुलिस को जानकारी दी। कुछ देर बाद पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को समझाया। इसके बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

श्रावण माह के प्रथम सोमवार 1.5 लाख से अधिक भक्तों ने श्री महाकालेश्वर भगवान के दर्शन किये

उज्जैन। श्री महाकालेश्वर मंदिर में श्री महाकालेश्वर भगवान के दर्शन हेतु दर्शनार्थीगण कतारबद्ध होकर मंदिर प्रबंध समिति की व्यवस्थाओं के अंतर्गत दर्शन करते हैं।

श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक एवं अपर कलेक्टर श्री प्रथम कौशिक ने जानकारी देते हुए बताया कि कम समय में श्री महाकालेश्वर भगवान के दर्शन हो इस हेतु श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा चाक-चौबंद व्यवस्थायें की गई है।

श्रावण माह के प्रथम सोमवार प्रातः 04 बजे से रात्रि 08 बजे समाचार लिखे जाने तक 1लाख 89 हज़ार 370 भक्तो ने श्री महाकालेश्वर भगवान के दर्शनों किये।

श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा दर्शनार्थियों के लिए सुगम दर्शन की व्यवस्था की गई है। श्री महाकालेश्वर मंदिर दर्शन व अन्य जानकारी एवं शिकायत के लिए श्री महाकालेश्वर मंदिर की वेबसाईट www.shrimahakaleshwar.com के साथ मंदिर के टोल फ्री नम्बर 18002331008 पर संपर्क कर सकते हैं।

भगवान श्री महाकाल मनमहेश स्वरूप में नगर भ्रमण पर निकले

भोले शंभु, भोलेनाथ के जयकारों से गुंजायमान हुआ अवन्तिका नगरी का धरती व अम्बर

उज्जैन। श्रावण माह के प्रथम सोमवार पर भगवान श्री महाकालेश्वर मनमहेश स्वरूप में नगर भ्रमण पर निकले। सवारी के निकलने के पूर्व श्री महाकालेश्वर मंदिर परिसर के सभामंडप में सर्वप्रथम भगवान श्री महाकालेश्वर का षोड़षोपचार पूजन-अर्चन किया गया। उसके पश्यात आरती संपन्न हुई 7 पूजन-अर्चन व आरती शासकीय पुजारी पं.घनश्याम शर्मा द्वारा संपन्न कराया गया।

सभामंडप में पूजन उपरांत अवंतिकानाथ भगवान श्री मनमहेश के स्वरूप में पालकी में सवार होकर अपनी प्रजा का हाल जानने और भक्तों को दर्शन देने के लिए नगर भ्रमण पर निकले। पालकी जैसे ही श्री महाकालेश्वर मंदिर के मुख्य द्वार पर पहुंची, सशस्त्र पुलिस बल के जवानों द्वारा पालकी में विराजित भगवान श्री मनमहेश को सलामी (गार्ड ऑफ ऑनर) दी गई।

सवारी मार्ग के दोनों ओर हजारों की संख्या में दर्शनार्थियों ने पालकी में विराजित श्री मनमहेश भगवान के भक्तिभाव से दर्शन लाभ लिये। गार्ड ऑफ ऑनर के बाद सवारी श्री महाकालेश्वर मंदिर से गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार, कहारवाडी, होते हुए रामघाट पहुंची।

भगवान महाकालेश्वर जी श्री मनमहेश के स्वरुप में अपने भक्तों को आशीर्वाद देने के लिए माँ क्षिप्रा के तट पर पहुँचे। इसके पश्चात मां क्षिप्रा नदी के जल से भूतभावन मन को मोहने वाले श्री मनमहेश का जलाभिषेक किया गया।

रामघाट पर वैदिक उदघोष के साथ हुवा श्री महाकालेश्वर भगवान की प्रथम सवारी का स्वागत श्री महाकालेश्वर भगवान की प्रथम सोमवार की सवारी में मध्यप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की मंशानुरूप वैदिक उदघोष के साथ श्री महाकालेश्वर भगवान की प्रथम सवारी का स्वागत किया गया।

श्री महाकालेश्वर जी की सवारी को अधिक भव्य रूप देने हेतु प्रत्येक सवारी में अलग-अलग थीम रखी गई है, जिसमें प्रथम सोमवार को निकलने वाली श्री महाकालेश्वर भगवान की प्रथम सवारी अवसर पर श्री महाकालेश्वर जी की सवारी का क्षिप्रातट पर पूजन के दौरान 500 से अधिक वैदिक बटुकों द्वारा वैदिक मंत्रों से उदघोष किया गया 7 माँ क्षिप्रा के तट पर दोनों ओर दत्त अखाड़ा क्षेत्र व रामघाट क्षेत्र में मंदिर प्रबंध समिति द्वारा संचालित श्री महाकालेश्वर वैदिक प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान के अतिरिक्त उज्जैन में संचालित 25 गुरूकुलों के 500 से अधिक बटुकों द्वारा वेद उदघोष किया गया।

त्रिभुवन वन्दिता माँ क्षिप्रा का तट पालकी पूजन के दौरान वैदिक मंत्रो के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा व चारों ओर अपने इष्ट के दर्शन को आतुर भक्तों के नेत्रो में श्रद्धा, भक्ति व उल्लास का सागर दिखाई दे रहा था।

रामघाट पर श्री मनमहेश के पूजन उपरांत सवारी रामघाट से पुन- सवारी रामानुजकोट, मोढ़ की धर्मशाला, कार्तिक चौक, खाती समाज मन्दिर, सत्यनारायण मन्दिर, ढाबा रोड, टंकी चौराहा, छत्री चौक, गोपाल मन्दिर, पटनी बाजार, गुदरी बाजार होती हुई श्री महाकालेश्वर मन्दिर में वापस पहुंची।

सवारी के आगे-आगे घुड़सवार, पुलिस बल, विभिन्न भजन मण्डलियां, जनजातीय नृत्य दल आदि भगवान भोलेनाथ के गुणगान एवं भजन-कीर्तन करते हुए साथ चल रहे थे।

चलित रथ के माध्यम से श्रद्धालुओं ने किये दर्शन-बाबा महाकाल की सवारी के सुगमतापूर्वक दर्शन के लिये श्री महाकालेश्वर मन्दिर प्रबंध समिति द्वारा चलित रथ की व्यवस्था की गई, जिसके दोनों ओर एलईडी के माध्यम से सवारी का लाईव प्रसारण किया गया। जिससे श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन लाभ लिये।

सवारी मार्ग की प्रमुख झलकियां-मध्यप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की मंशानुरूप गतवर्षानुसार संस्कृति विभाग भोपाल, जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद व त्रिवेणी कला एवं पुरातत्व संग्रहालय के माध्यम से भगवान श्री महाकालेश्वर जी की सवारी में जनजातीय कलाकारों का दल ने श्री महाकालेश्वर भगवान जी की प्रथम सवारी सहभागिता की।

घासी जनजातीय घसियाबाजा नृत्य सीधी, गोण्ड जनजातीय गुन्नूरसाई नृत्य सिवनी, कोरकू जनजातीय ढांढल नृत्य अनूपपुर एवं सैरा लोक नृत्य, सागर का दल श्री महाकालेश्वर भगवान की प्रथम सवारी में पालकी के आगे भजन मंडलियों के साथ अपनी प्रस्तुति देते हुए श्री महाकालेश्वर भगवान की सवारी में सम्मिलित हुए।

सवारी मार्ग पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल पर पुष्पवर्षा कर दर्शन लाभ लिये, सवारी मार्ग पर चहुंओर दर्शन के लिये भारी संख्या में जन-समूह उपस्थित रहा। सम्पुर्ण सवारी मार्ग पर श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से श्री के.बी.पंड्या व उनके समूह द्वारा आकर्षक रंगोली बनाकर भगवान श्री मनमहेश का स्वागत किया गया।

भजन मण्डलियों में सैंकड़ों महिलाओं ने शिव स्तुतियां की। सवारी में सम्मिलित भजन मंडलियां उत्साहपूर्वक डमरू और मजीरे बजाते हुए सवारी में आगे-आगे चल। विशाल ध्वज के साथ बाबा श्री महाकाल की पालकी निकाली गयी।

सम्पूर्ण सवारी मार्ग पर लगभग लाखों भक्तो ने श्री महाकालेश्वर भगवान जी के श्री मनमहेश स्वरूप के दर्शन किये।

आरती उपरांत उज्जैन के प्रभारी मंत्री डॉ.गौतम टेटवाल, मध्य प्रदेश शासन के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट , पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग और श्रम विभाग मंत्री प्रहलाद पटेल , राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने भगवान श्री महाकालेश्वर का पूजन-अर्चन किया और आरती की।

इस अवसर पर विधायक सतीश मालवीय, महेश परमार, जीतेंद्र पंड्या, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, संभागायुक्त संजय गुप्ता, सहित अन्य अधिकारियों ने सभामंडप में भगवान श्री मनमहेश का पूजन किया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com